www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वर्ष: 01 | अंक: 50 | जशपुर, 04 अक्टूबर 2026 (रविवार) | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 01 रूपये

ट्रांसपोर्ट कारोबारी का दिनदहाड़े किडनैप

12 घंटे में पुलिस ने सुलझाई गुत्थी, यूपी से 3 आरोपी दबोचे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी में ट्रांसपोर्ट कारोबारी के सनसनीखेज अपहरण का पुलिस ने महज 12 घंटे में पर्दाफाश कर दिया है। खमतराई पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से मिर्जापुर के अहरौरा में काली स्कॉर्पियो समेत तीन अपहरणकर्ताओं को हिरासत में लिया है। रायपुर पुलिस की टीम आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर रायपुर आ रही है।

पति ने दी गुमशुदगी की सूचना, सीसीटीवी से खुला राज

2 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे ट्रांसपोर्ट कारोबारी प्रतीक राय की पत्नी अनिता राय ने खमतराई थाने पहुंचकर बताया कि उनके पति दोपहर से घर नहीं लौटे हैं और मोबाइल भी स्विच ऑफ है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल डीएम टावर और आसपास के 20 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

फुटेज में चौंकाने वाला खुलासा हुआ

दोपहर 2:28 बजे काले रंग की यूपी नंबर की स्कॉर्पियो में सवार तीन युवक प्रतीक राय को जबरन खींचकर गाड़ी में बैठा रहे थे और फिर तेज गति से फरार हो गए।

सीपी ने दिए सख्त निर्देश, बिछा जाल

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले ने तत्काल आरोपियों की धरपकड़ के निर्देश दिए। डीसीपी नॉर्थ जोन दीपमाला कश्यप के निर्देशन और एसीपी उरला पूर्णिमा लामा के पर्यवेक्षण में खमतराई टीआई जितेंद्र जायसवाल की टीम ने तकनीकी सर्विलांस शुरू किया। वाहन की टोल प्लाजा और मोबाइल लोकेशन ट्रेस की गई तो पता चला कि स्कॉर्पियो रायपुर से सीधे उत्तर प्रदेश की ओर भाग रही है।

अंतरराज्यीय समन्वय से मिली सफलता

रायपुर पुलिस ने तुरंत यूपी पुलिस से संपर्क साधा। मिर्जापुर के थाना अहरौरा, चौपन, रॉबर्ट्सगंज सहित रास्ते के सभी थानों को अलर्ट किया गया।
संदिग्ध वाहन का नंबर, फोटो और संभावित रूट शेयर किया गया। हर टोल पर नाकाबंदी कर दी गई। रायपुर कंट्रोल रूम से लगातार लाइव लोकेशन अपडेट दी जा रही थी। आखिरकार अहरौरा पुलिस ने घेराबंदी कर काली स्कॉर्पियो को रोका और तीनों आरोपियों को दबोच लिया। कारोबारी प्रतीक राय भी वाहन में ही मिले, जिन्हें सुरक्षित छुड़ा लिया गया।

लेन-देन बना अपहरण की वजह

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि वाहन खरीदी-बिक्री और पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद था। इसी रंजिश में आरोपियों ने कारोबारी को किडनैप कर यूपी ले जाने की योजना बनाई थी।

गिरफ्तार आरोपी

अभय सिंह (28) पिता राम सिंह, निवासी हनुमंत नगर चौराहा, थाना हैदरगढ़, बाराबंकी (यूपी), बृहस्पत देव सिंह (27) पिता रामबहादुर सिंह, निवासी दरियावगंज, थाना सीहोर (यूपी), आदर्श सिंह (24) पिता संतोष कुमार सिंह, निवासी अलावलपुर, अटीहार, प्रतापगढ़ (यूपी)। पुलिस अब आरोपियों को रायपुर लाकर अपहरण की धाराओं में कार्रवाई करेगी और पूरे नेटवर्क की जांच करेगी।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बड़े बदलाव के संकेत

प्रदेश अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे टीएस सिंहदेव, दिल्ली दौरे से बढ़ी हलचल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कांग्रेस ने पंजाब और उत्तर प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष बदलने के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी संगठन में बड़े बदलाव के संकेत दे दिए हैं। इसी बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के दिल्ली रवाना होने से प्रदेश की सियासत गरमा गई है। हालांकि उनका दौरा पारिवारिक बताया जा रहा है, लेकिन इसे कांग्रेस संगठन में होने वाले फेरबदल से जोड़कर देखा जा रहा है।

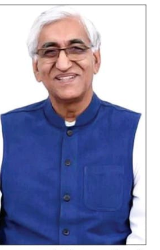

दिल्ली दौरे से बढ़ी हलचल

सूत्रों के अनुसार टीएस सिंहदेव दिल्ली होते हुए प्रयागराज जाएंगे। दौरा निजी होने के बावजूद इसका टाइमिंग काफी अहम माना जा रहा है। क्योंकि हाल ही में दो बड़े राज्यों में कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष बदले हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ में भी बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिंहदेव लगातार दिल्ली में आलाकमान से मिलकर प्रदेश के राजनीतिक घटनाक्रम की जानकारी दे रहे हैं।

दीपक बैज का कार्यकाल पूरा

वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज हैं और उनका कार्यकाल पूरा हो चुका है। आगामी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव तथा 2028 विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की कवायद में है। यही वजह है कि पिछले कुछ महीनों से कई दिग्गज नेताओं के दिल्ली दौरे बढ़े हैं।

सबसे मजबूत दावेदार हैं सिंहदेव

पार्टी के भीतर अंदरूनी चर्चा है कि साफ-सुथरी छवि और वरिष्ठता के कारण नए प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में टीएस सिंहदेव सबसे आगे हैं। इसके अलावा नए प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत ने भी कार्यभार संभालने के बाद संगठन की समीक्षा शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि प्रभारी की रिपोर्ट के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा।

फिलहाल एआईसीसी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन प्रदेश में संगठनात्मक फेरबदल की तैयारी तेज हो गई है और सभी की निगाहें दिल्ली पर टिकी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसी महीने नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो सकता है।

आत्मानंद स्कूलों में 1812 पदों पर होगी भर्ती, डीपीआई ने जारी किया आदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षकों की कमी जल्द दूर होगी। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने 1812 पदों पर संविदा भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। यह भर्ती केंद्रीकृत तरीके से होगी।

पदों का विवरण

कुल 1812 पदों में सबसे ज्यादा सहायक शिक्षक के 590 पद हैं। व्याख्याता के 518 पद: वाणिज्य के 104, अंग्रेजी 65, भौतिकी 53, सामाजिक विज्ञान 52, हिंदी 51, गणित 49, संस्कृत 47, रसायन शास्त्र 44, जीव विज्ञान 39 और अन्य। शिक्षक संवर्ग: अंग्रेजी शिक्षक 106, कला 72, गणित 68, विज्ञान 56, हिंदी/संस्कृत 34। अन्य स्टाफ: प्रयोगशाला सहायक 170, ग्रंथपाल 60, व्यायाम शिक्षक 50, कंप्यूटर शिक्षक 40, प्राथमिक प्रधानपाठक 27 और पूर्व माध्यमिक प्रधानपाठक 24 पद।

जिलेवार कहां कितने पद

दुर्ग में सबसे ज्यादा 229 पद, रायपुर में 141, बेमेतरा 103, बिलासपुर 97, कोरबा 87, कांकेर 85, मुंगेली 82, सक्ती 73, सरगुजा 72 पद हैं। सबसे कम पद कोरिया में 8 और सुकमा में 9 हैं। गौरतलब है कि 30 मई को जिला स्तर पर चल रही भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। अब 4 महीने बाद डीपीआई ने नई केंद्रीकृत भर्ती निकाली है। इच्छुक अभ्यर्थी eduportal.cg.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले योग्यता, आयु सीमा और आरक्षण संबंधी जानकारी विज्ञापन में जरूर देख लें।

पत्नी ने वीडियो जारी कर आईएफएस पति पर लगाए प्रताड़ना के आरोप, अधिकारी बोले- बेबुनियाद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के 2014 बैच के आईएफएस अफसर पंकज सिंह राजपूत और उनकी पत्नी अदिति सिंह के बीच चल रहा पारिवारिक विवाद अब सार्वजनिक हो गया है। पत्नी अदिति ने वीडियो जारी कर पति, सास-ससुर पर मानसिक, सामाजिक और आर्थिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। अदिति ने वीडियो में आरोप लगाया कि पति उनसे अपमानजनक भाषा में बात करते हैं और नाबालिग बेटे के साथ भी अनुचित व्यवहार करते हैं। ससुराल पक्ष द्वारा उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है।

बेबुनियाद हैं सभी आरोपों - पंकज राजपूत

इस पर आईएफएस पंकज राजपूत ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि पत्नी के सभी आरोप बेबुनियाद हैं। दोनों के बीच पारिवारिक विवाद पिछले 5 साल से कोर्ट में लंबित है। यह निजी मामला है, जिसे सार्वजनिक करना ठीक नहीं है। वह बच्चे के अभिभावक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। पंकज राजपूत ने बताया कि पत्नी द्वारा वीडियो जारी कर छवि धूमिल करने की कोशिश की गई है, जिसकी शिकायत उन्होंने कोर्ट में कर दी है। फिलहाल मामला न्यायालय में विचाराधीन है और दोनों पक्षों के अलग-अलग दावे सामने आए हैं।

बसंत मल्टीप्लेक्स में मनोरंजन महंगा, पार्किंग के नाम पर 50 रुपये का फटका

टिकट पर कन्वीनियंस फीस, अंदर दोगुना दाम का पॉपकॉर्न अलग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के बसंत मल्टीप्लेक्स में फिल्म देखना अब जेब पर भारी पड़ने लगा है। टिकट के पैसे के बाद पार्किंग के नाम पर 50 रुपये की अलग वसूली और कैंटीन में दोगुनी कीमतों ने दर्शकों में नाराजगी बढ़ा दी है। सवाल उठ रहा है-जब दर्शक पैसा देकर फिल्म देखने आ रहा है, तो पार्किंग के लिए अलग से लूट क्यों?

फिल्म देखने का प्लान करने वाला दर्शक पहले टिकट का बजट देखता है। ऑनलाइन बुकिंग करो तो ऊपर से कन्वीनियंस फीस। गेट पर पहुंचो तो बाइक-कार खड़ी करने के लिए 50 रुपये और दो। मामला सिर्फ 50 रुपये का नहीं है, मामला पारदर्शिता और जवाबदेही का है। दर्शक पूछ रहे हैं-पार्किंग चार्ज किस नियम से तय हुआ? टिकट बुक करते समय इसकी जानकारी क्यों नहीं दी जाती? अगर पार्किंग में गाड़ी चोरी हुई या नुकसान हुआ तो प्रबंधन जिम्मेदारी लेगा क्या?

अंदर पॉपकॉर्न भी बाजार से दोगुना

पार्किंग ही नहीं, मल्टीप्लेक्स के अंदर बिकने वाले खाने-पीने के सामान की कीमतों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायत के मुताबिक बाजार में 20 रुपये में मिलने वाली चीज मल्टीप्लेक्स में 40 से 50 रुपये में बेची जा रही है। हालांकि इसकी पुष्टि के लिए मूल्य सूची का मिलान जरूरी है, लेकिन दर्शकों का आरोप है कि मनोरंजन के नाम पर हर कदम पर जेब काटी जा रही है।

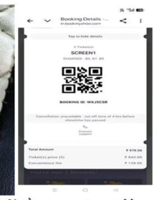

अंबुजा मॉल को झटका के बाद भी सबक नहीं

यह विवाद ऐसे समय में उठा है जब 24 सितंबर को ही छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग ने रायपुर के अंबुजा सिटी सेंटर मॉल में पार्किंग वसूली को अनुचित व्यापार व्यवहार और सेवा में कमी माना था।

आयोग ने मॉल की अपील खारिज करते हुए ग्राहक को 50 हजार मानसिक क्षतिपूर्ति और 5 हजार वाद व्यय देने का आदेश बरकरार रखा था। हालांकि यह आदेश सीधे बसंत मल्टीप्लेक्स पर लागू नहीं होता, लेकिन यह साफ संकेत है कि व्यवसायिक परिसर में ग्राहक से जबरन पार्किंग वसूलना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है।

50 रुपये पार्किंग वसूली का आधार क्या?

मल्टीप्लेक्स का काम सिर्फ फिल्म दिखाना नहीं, दर्शक को सुविधाजनक अनुभव देना भी है। अगर पार्किंग और कैंटीन के चार्ज नियम के तहत है तो प्रबंधन को बोर्ड पर रेट लिस्ट और नियम का आधार सार्वजनिक करना चाहिए। अगर नियम के खिलाफ वसूली हो रही है तो प्रशासन और उपभोक्ता विभाग को शिकायत के आधार पर जांच करनी चाहिए। फिलहाल दर्शकों का एक ही सवाल है बसंत मल्टीप्लेक्स में 50 रुपये पार्किंग वसूली का आधार क्या है? क्या प्रबंधन पारदर्शिता दिखाएगा या सफाई देकर बात टाल दी जाएगी?

सीईसी ज्ञानेश कुमार सिर्फ मोहरा, मोदी-शाह को असली फायदा - भूपेश बघेल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर सियासी पारा बढ़ा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कथित "वोट चोरी" के पूरे खेल में ज्ञानेश कुमार सिर्फ एक "मोहरा" हैं और इसका असली राजनीतिक लाभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को मिल रहा है।

सीडब्ल्यूसी में तय हुई रणनीति

पत्रकारों से बातचीत में बघेल ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मौजूदगी में तय हुआ है कि कांग्रेस अब वोटर लिस्ट और एसआईआर को लेकर लड़ाई सीधे जनता के बीच ले जाएगी। जब तक वोट चोरी बंद नहीं होगी, अभियान जारी रहेगा। बघेल ने कहा कि एसआईआर के नाम पर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस की मांग है कि हटाए गए नामों को बहाल किया जाए, एसआईआर पर रोक लगे और सीईसी ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें।

चुनाव आयोग ने आरोपों को नकारा

हालांकि चुनाव आयोग विपक्ष के इन आरोपों को पहले ही खारिज कर चुका है। आयोग का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची को सत्यापित और अपडेट करने की सामान्य प्रक्रिया है और सभी फैसले आयोग स्तर पर सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

अब बूथ स्तर तक आंदोलन

कांग्रेस ने अब दिल्ली से निकलकर राज्य, जिला और बूथ स्तर तक आंदोलन चलाने का ऐलान किया है। पार्टी उन मतदाताओं से संपर्क करेगी जिनके नाम सूची से हटे हैं। इधर भाजपा ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने और जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है।

इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी सीईसी की कार्यप्रणाली और एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति बन गई है। आने वाले दिनों में कांग्रेस का यह जन अभियान सियासत को और गरमा सकता है।

स्वच्छता पर कलेक्टर सख्त, बड़े बकायादारों से एक माह में वसूली के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगर निगम के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण और यूजर चार्ज वसूली पर विशेष जोर दिया।

कलेक्टर ने संपत्ति कर, समेकित कर और यूजर चार्ज के बड़े बकायादारों तथा कम दर पर भुगतान करने वाले व्यवसायिक संस्थानों से एक माह के भीतर वसूली सुनिश्चित करने को कहा। भुगतान नहीं करने पर नल कनेक्शन बंद करने और एकमुश्त भुगतान करने वालों को सम्मान पत्र देने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों को चार श्रेणियों में कचरा अलग कर देने के लिए स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और स्वच्छता वाहनों से नियमित मुनादी कराने को कहा। सफाई ठेकेदारों को पर्याप्त श्रमिक और रोज दो वाहन लगाने, स्रुक्ररू सेंटर से गीले कचरे का प्रतिदिन परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई में लापरवाही पर एजेंसी पर कार्रवाई, ठेला-गुमटी वालों के पास डस्टबिन और यूजर चार्ज वसूली, गौधाम में अतिरिक्त शेड निर्माण और रिंग रोड की नियमित सफाई के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में आयुक्त विनय कुमार अग्रवाल सहित अधिकारी और स्वच्छता दीदियां उपस्थित रहीं।

गुवाहाटी के नाइटक्लब में महिला से मारपीट और बदसलूकी, प्रबंधक समेत सात गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गुवाहाटी। खानापारा स्थित 'द लोकल्स' नाइटक्लब में एक महिला के साथ मारपीट करने और उसके कपड़े उतारने के आरोप में पुलिस ने प्रबंधक सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की।

सीसीटीवी और वीडियो फुटेज के अनुसार, घटना देर रात लगभग ढाई बजे बार के अंदर हुई। महिला के बाल और कपड़े खींचते हुए उसे बेसमेंट की तरफ ले जाया गया और मारपीट की गई, जिससे वह अचेत अवस्था में पहुंच गई। सुरक्षा गार्ड का दावा है कि महिला द्वारा क्लब के भीतर एक महिला बाउंसर पर बीयर की बोतल से हमला करने के बाद अन्य बाउंसर भड़क गए थे।

निर्धारित नियमों के तहत नाइटक्लब को रात 12:30 बजे बंद हो जाना चाहिए था। इसके बावजूद क्लब देर रात तक संचालित हो रहा था। पुलिस इस बात की गहनता से पड़ताल कर रही है कि क्लब समय सीमा के बाद कैसे खुला रहा।

मामले में शामिल अधिकतर लोग क्लब से जुड़े कर्मचारी हैं। घटना के बाद प्रबंधन ने स्थानीय पुलिस थाने को सूचित नहीं किया था। पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

जनप्रतिनिधि व कलेक्टर के हाथों खिलौने पाकर खिल उठे नन्हे चेहरे

★ आंगनबाड़ी केंद्र बैगापारा में गूँजी बच्चों की किलकारियाँ

★ कलेक्टर ने कराई गोदभराई, अपने हाथों खीर खिलाकर कराया अन्नप्राशन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा सेतु शिविर के उपरांत कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अमले के साथ आंगनबाड़ी केंद्र बैगापारा पहुँचीं, जहाँ का वातावरण स्नेह, अपनत्व और उत्साह से भर उठा। जनप्रतिनिधिगण व कलेक्टर ने बच्चों को अपने हाथों से खिलौने भेंट किए। रंग-बिरंगे खिलौने पाकर नन्हे-मुन्नों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरा केंद्र उनकी किलकारियों से गूँज उठा। बच्चों की मासूम मुस्कान देखकर उपस्थित अभिभावक भी भावविभोर नजर आए।

कलेक्टर ने कहा कि खेल-खेल में सीखना बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है, और ये खिलौने पढ़ाई के साथ मनोरंजन के माध्यम से उनकी रचनात्मकता एवं मानसिक विकास को नई दिशा देंगे।

कार्यक्रम में कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने केंद्र की दो गर्भवती महिलाओं की पारंपरिक रीति-रिवाज से गोदभराई कराई और उन्हें सुपोषण किट प्रदान की। छह माह की आयु पूर्ण कर चुके दो बच्चों को उन्होंने अपने हाथों से खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया।

कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार के साथ समय पर जांच माँ और शिशु दोनों के स्वस्थ भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने माताओं से बच्चों के छह माह पूर्ण होने के बाद ऊपरी आहार प्रारंभ करने तथा उनके पोषण और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने का आग्रह किया। सुपोषण चौपाल के माध्यम से महिलाओं और अभिभावकों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी दी गईं। इस दौरान कलेक्टर ने परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के साथ गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण का केंद्र नहीं, बल्कि स्वस्थ और सशक्त पीढ़ी के निर्माण की पहली पाठशाला हैं, इसलिए यहाँ आने वाले प्रत्येक बच्चे और माँ की देखभाल पूरी संवेदनशीलता के साथ की जाए।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री लोधीराम एक्का, उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी, पार्षद श्रीमती बिरजिनिया केरकेट्टा, श्रीमती रीना मसीह, श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता, एल्डरमैन श्री गोपालकृष्ण मिश्रा एवं श्री मनोज गुप्ता, सीएमओ दीपक एक्का व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने हितग्राहियों को सौंपी आवास की चाबी, 32 आवेदनों में से 30 का मौके पर निराकरण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा सेतु अभियान 2026 के तहत विगत दिवस जनपद पंचायत कुसमी के ग्राम पंचायत करौंधा में शिविर आयोजित किया गया। सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा की उपस्थिति में हुए इस शिविर में क्लस्टर की 11 ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। विभिन्न विभागों ने स्टॉल के माध्यम से विभागीय योजनाओं और शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 30 का मौके पर ही निराकरण किया गया और 02 आवेदनों के समाधान के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत विधायक श्रीमती पैकरा ने 03 हितग्राहियों को नए आवास का स्वीकृति पत्र प्रदान किया तथा आवास निर्माण पूर्ण कर चुके 02 हितग्राहियों को गृह प्रवेश के लिए चाबी सौंपी। अपने पक्के घर की चाबी हाथ में पाकर हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इसके साथ ही 15 हितग्राहियों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, राजस्व विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा 03 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए।

झाड़ू के नीचे छिपा था गांजे का बड़ा जखीरा, सिलफिली बसकांड का एक और फरार आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत सिलफिली में करीब आठ क्विंटल गांजा बरामदगी के बहुचर्चित मामले में जयनगर पुलिस को एक और सफलता मिली है।

पुलिस ने घटना के बाद से फरार चल रहे एक आरोपी को मध्यप्रदेश के कटनी से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 35 वर्षीय अ. धुर्वे पवार पारधी उर्फ टर्रा पिता स्व. बाविर पवार निवासी ग्राम सिनगौड़ी फुटहा टोला खिरवा थाना विजयराघवगढ़, जिला कटनी (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। जयनगर पुलिस के मुताबिक 4 जून को लग्जरी बस के जरिए बड़ी मात्रा में गांजा कटनी ले जाने की तैयारी थी। उड़ीसा से अंबिकापुर पहुंचे दर्जनों महिला-पुरुषों के समूह ने गांजे को बेहद शातिराना तरीके से झाड़ू के साथ गठरियों में छिपा रखा था। इसके बाद एक यात्री बस बुककर सभी लोग कटनी के लिए रवाना हुए थे। सिलफिली के पास कुछ युवकों को बस में सवार लोगों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उन्होंने तत्काल डायल 112 को सूचना दी और बस का पीछा भी किया। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और संदिग्ध बस को रुकवाकर उसकी तलाशी ली गई।

पुलिस टीम को देखकर बस में सवार कुछ लोग मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए, जबकि तलाशी के दौरान झाड़ू के नीचे छिपाकर रखी गई कई गठरियां बरामद हुईं। गठरियों को खोलने पर उनमें भारी मात्रा में लाखों रुपए का गांजा मिला था। पुलिस ने गांजा सहित बस को जब्त करते हुए चालक समेत करीब आधा दर्जन महिलाओं को मौके से गिरफ्तार किया था। घटना के बाद पुलिस ने मामले में फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी।

इसी क्रम में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर जयनगर पुलिस टीम ने थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अमित गुप्ता के नेतृत्व में कटनी में दबिश देकर फरार आरोपी अ. धुर्वे पवार पारधी उर्फ टर्रा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था। इस मामले में पुलिस अब तक कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। करीब एक माह पूर्व भी पुलिस ने कटनी से मामले में फरार चल रहे एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया था। ज्ञात हो कि पिछले दिनों 4 जून को सिलफिली में हुई इस कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। उड़ीसा से अंबिकापुर और फिर वहां से बस के जरिए कटनी तक गांजा पहुंचाने की तैयारी थी। तस्करों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए गांजे को झाड़ू के नीचे गठरियों में छिपाया था, लेकिन सिलफिली के युवकों की सतर्कता के कारण पूरी खेप रास्ते में ही पकड़ ली गई। पुलिस के अनुसार मामले में अभी भी कुछ आरोपी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर तलाश और दबिश की कार्रवाई जारी है। पुलिस इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तथा गांजा तस्करी की कड़ियों को खंगालने में भी जुटी है।

सालाना बोनस पर अंततः 110250 रुपए पर बनी सहमति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। दुर्गा पूजा के ठीक पहले मिलने वाले सालाना बोनस यानी प्रॉफिट लिंक्ड रिवार्ड पीएलआर को लेकर देर रात निर्णय अनुसार 110250 रुपए सहमति बनने की बात कही जा रही है। साथ ही बोनस का भुगतान 15 अक्टूबर तक किए जाने की बात कही जा रही है। ज्ञात हो कि शनिवार को कोल इंडिया मुख्यालय में आयोजित एपेक्स जेसीसी की बैठक में बोनस की राशि को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबी चर्चा हुई और देर रात तक 110250 रुपए सालाना बोनस की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार बैठक में यूनियन प्रतिनिधियों ने इस वर्ष कोयला कर्मचारियों के लिए 1.20 लाख रुपए पीएलआर की मांग मजबूती से रखी। इसके जवाब में कोल इंडिया प्रबंधन की ओर से 1.08 लाख रुपए का प्रस्ताव रखे जाने की जानकारी सामने आई थी। बोनस की राशि को लेकर दोनों पक्षों के आंकड़ों में अंतर होने के कारण बैठक में देर तक मंथन चलता रहा। वर्ष 2025 में कोयला कर्मचारियों को 1.03 लाख रुपए पीएलआर का भुगतान किया गया था। इस बार यूनियन द्वारा रखी गई 1.20 लाख रुपए की मांग पिछले वर्ष की बोनस राशि से काफी अधिक थी। वहीं प्रबंधन के 1.08 लाख रुपए के प्रस्ताव से भी यह स्पष्ट है कि इस वर्ष बोनस राशि पिछले साल की तुलना में बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही थी। सूत्रों के अनुसार बैठक में हुई चर्चा के बाद 110250 रुपए पीएलआर तय हुई है। 1 अप्रैल के आंकड़ों के अनुसार कोल इंडिया में 196753 गैर-कार्यकारी कर्मचारी कार्यरत हैं। इन्हीं कर्मचारियों के लिए वर्ष पीएलआर को लेकर शनिवार को हुई एपेक्स जेसीसी की बैठक में 110250 रुपए की राशि पर सहमति बनने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच सेवानिवृत्त हुए करीब 8351 कोलकर्मियों को भी इसका लाभ मिलने की बात कही गई है। एपेक्स जेसीसी की बैठक में बीएमएस से के. लक्ष्मा रेड्डी, एचएमएस से हरभजन सिंह सिद्धू, सीटू से डीडी रामानंदन तथा एटक से लखनलाल महतो शामिल हुए थे।

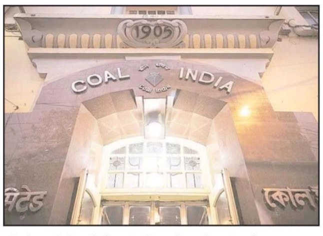

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने श्रमदान से जगाई स्वच्छता की अलख

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा के तहत शनिवार को नगर पंचायत शिवनंदनपुर में जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अंबेडकर चौक के समीप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में झाड़ू लगा खरपतवार हटाकर श्रमदान किया।

उन्होंने स्वच्छता दीदियों, स्थानीय महिलाओं और नागरिकों के साथ सफाई में भाग लेकर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और नागरिकों ने मिलकर मंदिर परिसर की साफ-सफाई की। इस दौरान लोगों को अपने आसपास और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया गया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सेवा और स्वच्छता के कार्यों में जनभागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। सामूहिक प्रयासों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ उनका बेहतर उपयोग भी किया जा सकता है। उन्होंने शिवनंदनपुर के इस स्थल को पार्क के रूप में विकसित करने की मंशा जताई। इससे स्थानीय नागरिकों को हरियाली के बीच एक व्यवस्थित सार्वजनिक स्थान उपलब्ध हो सकेगा और नगर की सुंदरता भी बढ़ेगी। कार्यक्रम स्थल पर नगर पंचायत द्वारा स्थापित सेवा संकल्प अभियान के फोटो फ्रेम के साथ मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने तस्वीर खिंचवाई। स्वच्छता और कचरा मुक्त भारत के संदेशों से सुसज्जित यह फ्रेम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की पहल का हिस्सा रहा।अभियान के अंत में उपस्थित लोगों ने सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखने और नगर को स्वच्छ, सुंदर तथा पॉलिथीन मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, सुरजपुर जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाती सिंह, शिवनंदनपुर नपं अध्यक्ष रितेश जायसवाल, बिश्रामपुर नपं उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, पुष्पेंद्र सिंह, सितीकांत स्वाई, अशोक गुप्ता, ललित गोयल, राजेश यादव, कृष्णा गोयल, प्रदीप गर्ग, समीर सिंह, मनी बग्गा, संतोष पाठक, अनीता सिंह, नंदकुमारी राजवाड़े व अन्य स्वच्छता दीदियां उपस्थित रहीं।

पेयजल आपूर्ति संबंधी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक गुरुवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन, योजनाओं की अद्यतन प्रगति तथा पूर्ण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अभियंताओं एवं अधिकारियों को लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने और पेयजल आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में एजेंडा के अनुसार बिंदुवार चर्चा की गई। विभिन्न निविदाओं की दर स्वीकृति, अनुबंधों के अंतर्गत समयावृद्धि तथा निरस्त अनुबंधों जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर महत्वपूर्ण चर्चा करते हुए विचार-विमर्श किया गया। अक्टूबर 2026 तक पूर्ण की जाने वाली 772 योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा के साथ डीएमएफ मद से बोर खनन, सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जल जन सेवा संकल्प के क्रियान्वयन तथा जल अर्पण दिवस के आयोजन पर भी चर्चा की गई।

जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशाला एवं एफ्टीके किट से किए जा रहे जल परीक्षण की प्रगति की समीक्षा हुई, वहीं क्रेडा विभाग द्वारा सोलर पंप स्थापना में आ रही समस्याओं पर भी चर्चा कर समाधान के उपायों पर विचार किया गया। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सीआईआरपी के अनुसार निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गति दी जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने तथा नियमित निगरानी पर जोर दिया, ताकि जिले के प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक शुद्ध पेयजल पहुंच सके।

कलेक्टर ने अधिकारियों को कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने, निर्माण में तेजी लाने और लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लंबित कार्यों की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही करने तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने देने के निर्देश दिए। बैठक में ठेकेदारों के देयकों का नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित करने के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे पूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों में निरंतरता बनी रहे और योजना का लाभ ग्रामीणों को समय पर मिल सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के कार्यपालन अभियंता श्री पंकज जैन, उप अभियंता एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सेवा सेतु शिविर दोहना में 51 आवेदन प्राप्त, 35 का मौके पर निराकरण, 20 वृद्धजनों का हुआ सम्मान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत आज जनपद पंचायत शंकरगढ़ के क्लस्टर ग्राम दोहना में शिविर आयोजित किया गया। जनपद पंचायत शंकरगढ़ की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंवदा सिंह देव और जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता पैकरा के मुख्य आतिथ्य में हुए इस शिविर में क्लस्टर की 16 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण अपनी मांगें और समस्याएं लेकर पहुंचे।

शिविर में कुल 51 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 35 का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया और शेष 16 आवेदनों के समाधान के लिए समय-सीमा तय की गई। सर्वाधिक 39 आवेदन खाद्य विभाग से जुड़े रहे, जिनमें 25 का तत्काल निराकरण हुआ, जबकि राजस्व विभाग के सभी 7 आवेदन मौके पर ही निपटाए गए। हितग्राहियों को राजस्व विभाग ने 04 बी-1 और 02 ऋण पुस्तिकाएं प्रदान कीं। शिक्षा विभाग ने स्कूली बच्चों को 78 जाति प्रमाण पत्र तथा प्राथमिक शाला सरिमा की कु. असीमा दास को दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं दिव्यांगता किट दी। वहीं जनपद पंचायत द्वारा ग्राम सरिमा की श्रीमती सनिता यादव और श्रीमती सीमा विश्वकर्मा को राशन कार्ड सौंपे गए। विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 20 बुजुर्गों को तिलक लगाकर, मुंह मीठा कराकर तथा शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत अतिथियों ने एकलव्य आवासीय विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। शिविर में जनपद सदस्य श्री तिलासाय एवं श्री अमीनसाय, विधायक प्रतिनिधि श्री मुकेश कश्यप, मंडल अध्यक्ष श्री विवेक जायसवाल, मंडल महामंत्री श्री सत्यानंद पैकरा, जिला मंत्री श्री अवधेश पैकरा, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री शिवशंकर मराबी, श्री निमेश यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री वेदप्रकाश पाण्डेय, तहसीलदार श्री दानिश परवेज, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री इस्माईल खान, वन परिक्षेत्राधिकारी श्री महेन्द्र यादव, नायब तहसीलदार श्री गजराज सिंह सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच-सचिव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

'मेरे सपनों का भारत': जिला स्तरीय कार्यक्रम में गूंजा विकसित भारत का संकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत 'मेरे सपनों का भारत' जिला स्तरीय कार्यक्रम शनिवार को पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। 'सेवा और समर्पण के 25 वर्ष - जन सेवा से देश सेवा' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

विकसित भारत में हर नागरिक की भागीदारी जरूरी: सांसद

मुख्य अतिथि सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने वाला भारत शिक्षित, समृद्ध और सशक्त होगा और विश्व में मजबूत शक्ति के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि 'मेरे सपनों का भारत' कार्यक्रम में पीएम मोदी के जीवन संघर्ष से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा और देश के विकास में उनके योगदान को मंचन के जरिए प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या जैसे सांस्कृतिक स्थलों को नया आयाम मिला है। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए हर नागरिक की सहभागिता जरूरी है। पीएम-जनमन जैसी योजनाओं से विशेष पिछड़ी जनजातियों का जीवन स्तर

सुधर रहा है। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश तकनीक और अंतरिक्ष सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अटल जी की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने गांवों को विकास से जोड़ा, उसी राह पर आज देश तेज गति से बढ़ रहा है। युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने भी विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

प्रदर्शनी और प्रतिभाओं ने मोहा मन

कार्यक्रम में चित्रकला, रंगोली, निबंध, विज्ञान मॉडल की प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों ने क्लॉथ फोल्डिंग मशीन, ब्लूटूथ कंट्रोल होम ऑटोमेशन, ऑटोमेटिक रेन सेंसर क्लॉथ प्रोटेक्टर, मुर्गी फीडिंग मशीन जैसे नवाचारी मॉडल प्रदर्शित किए।सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में संत हरकेवल कॉलेज के छात्रों ने मतदाता जागरूकता पर नृत्य, 'नमो गाथा' नुक्कड़ नाटक तथा कन्या परिसर और नवोदय विद्यालय के छात्रों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए।

ड्रॉपआउट बच्चों की स्कूल वापसी, उल्लास स्वयंसेवकों का सम्मान

कार्यक्रम में शिक्षा से दूर हो चुके ड्रॉपआउट बच्चों का स्वागत कर उन्हें स्कूल से फिर जोड़ा गया। उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान के स्वयंसेवकों, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।इस दौरान शिक्षा विभाग की पत्रिका 'ओजस्वी भारत' का विमोचन और पुस्तक दान के लिए स्टॉल भी लगाया गया। कार्यक्रम में महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, भारत सिंह सिसोदिया, कलेक्टर अजीत वसंत, जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और नागरिक उपस्थित रहे।

गांधीवाद विश्व शांति और विकास का एक मात्र रास्ता : डॉ. विनोद पाण्डेय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

शक्तिनगर सोनभद्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम के बैनर तले दिनांक 2 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती पर श्रमदान एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और परिसर के साफ सफाई अभियान में हिस्सा लिया इसी क्रम में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ॰ विनोद कुमार पाण्डेय ने कहा कि विश्व चुनौतियों के समाधान के लिए गांधीवाद ही एक मात्र सूत्र है जिससे सर्वोदय और समावेशी विकास के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है गांधी जी ने अपने सत्य के साथ प्रयोग से जो दर्शन मानव समाज के सामने प्रस्तुत किया है आज उसकी प्रासंगिकता बढ़ गई है विशिष्ट अतिथि डॉ॰ अपर्णा त्रिपाठी ने गांधी जी को स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े नायक के रूप में याद करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला और उसे आत्मसात करने पर बल दिया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उदय नारायण पाण्डेय ने गांधी जी और शास्त्री जी के जीवन से आज के छात्रों को सीख लेने का आवाहन किया

नवीन महाविद्यालय में महिला सुरक्षा और सम्मान पर जागरूकता कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। सेवा संकल्प अभियान (17 सितंबर से 17 अक्टूबर) के तहत नवीन शासकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को महिला सुरक्षा एवं सम्मान पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य रेवती प्रसाद ने की, जबकि आयोजन एवं समन्वय कार्यक्रम प्रभारी नीलिमा एक्का ने किया। शुभारंभ माँ सरस्वती, छत्तीसगढ़ महतारी और भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुआ।इसके बाद राष्ट्रीय गीत और राजकीय गीत का सामूहिक गायन किया गया।

पुलिस और डॉक्टर ने दी अहम जानकारी

थाना रघुनाथनगर से थाना प्रभारी लखेश्वर कश्यप, अजय कुमार, अरुण, रूपेंद्र और वीर सिंह आयाम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, सोशल मीडिया सुरक्षा, डिजिटल फ्रॉड और एफआईआर की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉ. उदय कांत प्रधान ने महिला स्वास्थ्य, पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता और मासिक धर्म स्वच्छता पर उपयोगी जानकारी दी।मंच संचालन गीता मैम ने किया और डॉ. कुलवंत ने उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं और स्टाफ उपस्थित रहे।कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, साइबर सुरक्षा और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित व सम्मानजनक वातावरण के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान और आभार व्यक्त के साथ हुआ।

साप्ताहिक बाजार स्थल पर सजा सेवा सेतु शिविर, मौके पर हुआ जनसमस्याओं का समाधान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिका परिषद बलरामपुर में साप्ताहिक बाजार स्थल के पास सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर शासन की 26 प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लिया और अपनी समस्याओं का समाधान कराया। जनप्रतिनिधियों और कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने शिविर का अवलोकन किया।शिविर में पीएम आवास 2.0 के हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा पत्र, स्वनिधि योजना के हितग्राही को ऋण राशि और उत्कृष्ट आंगनबाड़ी कार्यकताओं व मितानिनों को सम्मान प्रदान किया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त आवेदनों का वर्गीकरण कर त्वरित निराकरण योग्य मामलों का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है, जबकि शेष प्रकरणों का कलेक्टर स्तर पर समीक्षा कर निराकरण होगा। राजस्व प्रकरणों के लिए अलग व्यवस्था की गई थी।

पीएम सूर्य घर और एग्री स्टैक से जुड़ने की अपील

नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का ने कहा कि पीएम मोदी का कार्यकाल जनसेवा को समर्पित है और सेवा सेतु शिविर इसी भावना का उदाहरण है।कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य एक ही स्थान पर पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ देना है। उन्होंने बताया

कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद छूटे मतदाताओं और नए युवाओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने किसानों से एग्री स्टैक पंजीयन कराने और नागरिकों से पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल लगाने की अपील की। कलेक्टर ने सभी स्टॉलों का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे।

हितग्राहियों को मिला लाभ

शिविर में छोटकू मुंजनी, लजिना बीबी, विजय तिर्की, आलोमनी उरांव, तालिब अंसारी, सरोज देवी, अनवर अंसारी और अमित यादव को पीएम आवास 2.0 के तहत भवन अनुज्ञा पत्र दिए गए।स्वनिधि योजना के एक हितग्राही को तीसरी किश्त के रूप में 50 हजार रुपये दिए गए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ममता तिग्गा, सुशीला एक्का, इमराना खातुन, सहायिका रीता एक्का और मितानिन बिरजमनियां को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। महिला बाल विकास द्वारा गोदभराई और अन्नप्राशन संस्कार भी कराए गए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, पार्षद बिरजिनिया केरकेट्टा, रीना मसीह, लक्ष्मी गुप्ता, एल्डरमैन गोपालकृष्ण मिश्रा, मनोज गुप्ता, सीएमओ दीपक एक्का सहित जिला अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर गूंजा राष्ट्रसेवा का संदेश, मालवीय मिशन ने किया माल्यार्पण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर महामना मालवीय मिशन, सरगुजा द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में मिशन के संरक्षक हरिशंकर त्रिपाठी ने कहा कि गांधी जी की प्रासंगिकता को आज भी पूरा विश्व स्वीकार करता है। उन्होंने सत्य और अहिंसा को जीवन का आधार बनाया और स्वतंत्रता

आंदोलन को जन-आंदोलन बनाया। गांधी का रामराज्य लोककल्याणकारी व्यवस्था का प्रतीक था। डॉ. बी.के. सिंह ने शास्त्री जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ₹जय जवान, जय किसान₹ का नारा देने वाले शास्त्री जी सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक थे। पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने कहा कि महापुरुषों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं। रणविजय सिंह तोमर ने कहा कि गांधी के आदर्शों से ही समाज में समरसता आएगी, वहीं जयप्रकाश चौबे ने कहा कि महापुरुषों के कथन और आचरण में कोई अंतर नहीं था। पिरामल फाउंडेशन की जिला समन्वयक सरस्वती विश्वकर्मा ने कहा कि जयंती की सार्थकता तभी है जब हम गांधी के आदर्शों को अपनाएं। उन्होंने बताया कि गांधी जयंती पर पूरे प्रदेश में ग्राम सभाओं का आयोजन हो रहा है, जिसमें पिरामल स्वास्थ्य की टीम स्वास्थ्य पंचायत, टीबी, पोषण और स्वस्थ जीवनशैली पर संवाद करेगी। अशोक सोनकर और प्रकाश कश्यप ने कहा कि गांधी और शास्त्री का जीवन दर्शन युवाओं तक पहुंचाना समय की जरूरत है। अंत में राजनारायण द्विवेदी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों महापुरुषों ने सिखाया कि सार्वजनिक जीवन में विचार और आचरण में एकरूपता जरूरी है।

गांधी जयंती पर सामूहिक श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। गांधी जयंती के अवसर पर विकासखंड के ग्राम दरीपारा में सेवा संकल्प अभियान और स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व किसान मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष नितिन तिवारी ने किया।सुबह से ही ग्रामीणों और कार्यकताओं ने स्कूल परिसर सहित आसपास के सार्वजनिक स्थलों, सड़कों और चौक-चौराहों की साफ-सफाई की। लोगों ने हाथों में झाड़ू लेकर कचरा हटाया और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प

लिया।इस दौरान स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने कहा कि गांधी जी ने स्वच्छता को स्वतंत्रता से भी बड़ा बताया था।उनके सपनों का भारत तभी बनेगा जब हर व्यक्ति स्वच्छता को अपनी आदत बनाएगा।इस अवसर पर शीतल गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, सुनील गुप्ता, शुभम गुप्ता, हर्ष गुप्ता, आकाश तिवारी, मदन, अर्चना कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा उपस्थित रहे।

संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल में धरमपुर और सोहगा ने जीते मुकाबले

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। नगर के गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में शुक्रवार को दो रोमांचक मैच खेले गए। जिसमे धरमपुर और सोहगा ने अपने-अपने मुकाबले जीते।

पहला मुकाबला कांतिप्रकाशपुर सरगुजा और धरमपुर सूरजपुर के बीच खेला गया। प्रथम हाफ में धरमपुर की टीम ने शानदार तालमेल के साथ खेलते हुए 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भी धरमपुर ने अपना दबदबा कायम रखा और एक और गोल दागकर 2-0 से जीत दर्ज की।

दूसरा मैच सोहगा ने जमदरा को 1-0 से हराया

दूसरा मैच जमदरा और यूथ अकेडमी सोहगा के बीच हुआ। पहले हाफ में दोनों टीमों ने गोल के कई प्रयास किए लेकिन कोई भी टीम गोल करने में कामयाब नहीं हो सकी। दूसरे हाफ में सोहगा की टीम ने बेहतर खेल दिखाते हुए एक गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली और अंत तक इसी स्कोर के साथ जीत हासिल की। मैच के निर्णायक दिनेश जायसवाल, अमरदेव, नीलभूषण और रामबहादुर लाम्बा रहे। इस दौरान कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्पोट्टा, अखिलानंद, विनोद पैकरा और मंगल भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के तहत 4 अक्टूबर को पहला मैच फुटबॉल क्लब राता बनाम अडची और दूसरा मैच जेएमसी स्ट्राइकर अंबिकापुर बनाम फुटबॉल क्लब पोड़ीपा के बीच खेला जाएगा।

परिचय सम्मेलन में रिश्तों की तलाश से सामाजिक एकता तक, भटगांव में जुटा ब्राह्मण समाज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। प्रगति विहार मंगल भवन में भटगांव एवं जरही क्षेत्र के सर्व ब्राह्मण समाज की ओर से परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके परिवारों ने सहभागिता की। सम्मेलन का उद्देश्य केवल वैवाहिक रिश्तों की तलाश तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज में आपसी मेलजोल, एकता, सहयोग और नई पीढ़ी को संस्कार एवं मार्गदर्शन से जोड़ने पर भी व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान परशुराम के चरणों में नमन के साथ हुई। वक्ताओं ने कहा कि भगवान परशुराम सत्य, धर्म, साहस, त्याग, ज्ञान और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देते हैं। उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। सम्मेलन में कहा गया कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों और संस्कारों का मिलन है। ऐसे परिचय सम्मेलन समाज के परिवारों को बेहतर वैवाहिक संबंधों के लिए अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ आपसी परिचय और सामाजिक समन्वय को भी मजबूत करते हैं।

शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सहयोग पर जोर

कार्यक्रम में समाज की एकता को सबसे बड़ी ताकत बताते हुए व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर सामूहिक हित में काम करने का आह्वान किया गया। शिक्षा, रोजगार, विवाह, सामाजिक

सहयोग और युवाओं के मार्गदर्शन जैसे विषयों पर भविष्य में ठोस पहल करने की आवश्यकता जताई गई। समाज की ओर से जरूरतमंद परिवारों के लिए सहयोग कोष, विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक एवं करियर मार्गदर्शन, युवाओं के लिए रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग तथा विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए नियमित परिचय एवं वैवाहिक समन्वय कार्यक्रम आयोजित करने की दिशा में प्रयास करने की बात कही गई।

वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा को जोड़ने पर जोर

वक्ताओं ने कहा कि समाज के वरिष्ठजनों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा को एक साथ जोड़कर मजबूत सामाजिक संगठन तैयार किया जा सकता है। साथ ही आने वाली पीढ़ी को शिक्षा, संस्कार और सेवा से जोड़ना समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। कार्यक्रम में मातृशक्ति की सहभागिता की भी विशेष सराहना की गई। आयोजन को सफल बनाने में युवाओं द्वारा दिए गए समय और सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया। आयोजन समिति के सदस्यों, समाज के वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवाओं और कार्यक्रम में शामिल परिवारों के प्रति भी आभार जताया गया। अंत में भटगांव एवं जरही क्षेत्र के ब्राह्मण समाज ने सामाजिक एकता, सहयोग और संस्कारों को मजबूत करने का संकल्प लेते हुए कहा कि 'संगठित ब्राह्मण समाज, संस्कारित युवा समाज और सहयोगी समाज—यही हमारा लक्ष्य हो।'

सम्पादकीय

दवा पर मुनाफे की सीमा निर्धारित करने का समय

दवा कोई सामान्य बाजारू वस्तु नहीं है। जब किसी व्यक्ति को जीवन बचाने के लिए दवा की जरूरत पड़ती है तो उसके सामने कीमत और इलाज के बीच चुनाव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। यदि किसी दवा की कीमत निर्माता से निकलने के बाद आपूर्ति श्रृंखला में कई गुना बढ़ जाती है तो यह केवल बाजार व्यवस्था का सवाल नहीं रह जाता, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता अधिकार का विषय बन जाता है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने इसी गंभीर सवाल को देश के सामने फिर से ला खड़ा किया है। 29 सितंबर को दवा कीमतों से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दवा के उस मूल्य अंतर पर कड़ी टिप्पणी की, जिसमें किसी दवा का खुदरा विक्रेता को मूल्य और पैकेट पर छपी अधिकतम खुदरा कीमत यानी एमआरपी के बीच बहुत बड़ा अंतर था। मामला एक आवश्यक कैंसर दवा का था जो खुदरा विक्रेताओं को करीब 2,700 रुपये में उपलब्ध कराई जा रही थी, जबकि उसका एमआरपी लगभग 27,000 रुपये था। अदालत ने इस अंतर को लेकर बेहद तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया और केंद्र से पूछा कि 2013 के ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर यानी डीपीसीओ में निर्धारित 16 प्रतिशत खुदरा मार्जिन सभी आवश्यक दवाओं पर लागू क्यों नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को केवल किसी एक दवा या कंपनी के संदर्भ में देखने के बजाय उस व्यापक व्यवस्था के संदर्भ में देखना चाहिए जिसमें दवा की कीमत तय होती है। भारत में आवश्यक दवाओं की कीमत नियंत्रित करने के लिए डीपीसीओ और नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी यानी एनपीपीए की व्यवस्था पहले से मौजूद है। आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल दवाओं के लिए एनपीपीए अधिकतम कीमत तय करता है। इस कीमत की गणना में बाजार में उपलब्ध समान दवाओं के खुदरा विक्रेता मूल्य का औसत और 16 प्रतिशत खुदरा मार्जिन शामिल होता है। समस्या यह है कि सभी दवाएं इस व्यवस्था के दायरे में नहीं आतीं। डीपीसीओ मुख्य रूप से कीमत में 12 महीने में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि पर रोक लगाता है। यही वह जगह है, जहां मौजूदा व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। यदि किसी दवा का शुरुआती एमआरपी ही वास्तविक लागत की तुलना में कई गुना अधिक तय कर दिया जाए तो बाद में कीमत बढ़ाने की सीमा 10 प्रतिशत रखना बहुत प्रभावी नियंत्रण नहीं रह जाता। ऊंची शुरुआती कीमत ही भविष्य की कीमतों का आधार बन जाती है। इसलिए सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि किसी दवा की कीमत साल में कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी होना चाहिए कि वह कीमत शुरू में तय कैसे हुई। सरकार को इस मुद्दे पर व्यापक नीति बनाने की जरूरत है। दवा उद्योग में अनुसंधान, नई दवाओं के विकास, गुणवत्ता नियंत्रण, आयातित कच्चे माल, उत्पादन, वितरण और निवेश की वास्तविक लागत होती है, लेकिन इन लागतों के नाम पर ऐसी कीमत भी उचित नहीं ठहराई जा सकती जिसमें मरीज और निर्माता के बीच मूल्य का अंतर असामान्य रूप से बढ़ जाए। इसलिए एक व्यावहारिक रास्ता यह हो सकता है कि जीवनरक्षक दवाओं के लिए एमआरपी और लागत के बीच उचित मार्जिन की पारदर्शी सीमा तय की जाए। इसमें निर्माता, वितरक, विक्रेता और अस्पताल समेत पूरी आपूर्ति श्रृंखला के मार्जिन को अलग-अलग देखा जाए। जहां किसी चरण पर असाधारण मुनाफा हो रहा हो, वहां सरकार को हस्तक्षेप का अधिकार होना चाहिए। विशेष रूप से अस्पतालों में बेची जाने वाली दवाओं के मामले में पारदर्शिता और जरूरी है।

मुद्दा
डॉ. अश्वनी महाजन

भारत में मुफ्तखोरी योजनाएं, जिन्हें फ्रीबीज़ भी कहा जाता है, पिछले लंबे समय से एक आम बात हो चुकी हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा से आगे बढ़ते हुए अब बात साइकिल, स्कूटी, मंगलसूत्र, लैपटॉप और टैब तक पहुंच चुकी है। राजनीतिक दल, जो पहले सैद्धांतिक रूप से फ्रीबीज़ का विरोध करते थे, वे भी बड़े पैमाने पर इस प्रकार की योजनाओं की घोषणाएं धड़ल्ले से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि इन फ्रीबीज़ को जन-कल्याण के नाम पर अन्य प्रकार से औचित्यपूर्ण भी ठहराया जाता है। समझा जा सकता है कि कहीं न कहीं मुफ़्तख़ोरी की स्कीमों के कारण राज्यों पर कर्ज़ का बोझ बढ़ रहा है, जिसके चलते देश पर कर्ज का बोझ बढ़ा है।

मुफ्तखोरी क्या वैश्विक समस्या बनेगी

भारत में मुफ्तखोरी योजनाएं, जिन्हें फ्रीबीज़ भी कहा जाता है, पिछले लंबे समय से एक आम बात हो चुकी हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा से आगे बढ़ते हुए अब बात साइकिल, स्कूटी, मंगलसूत्र, लैपटॉप और टैब तक पहुंच चुकी है। राजनीतिक दल, जो पहले सैद्धांतिक रूप से फ्रीबीज़ का विरोध करते थे, वे भी बड़े पैमाने पर इस प्रकार की योजनाओं की घोषणाएं धड़ल्ले से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि इन फ्रीबीज़ को जन-कल्याण के नाम पर अन्य प्रकार से औचित्यपूर्ण भी ठहराया जाता है। इसी प्रकार की फ्रीबीज़ की घोषणाएं कुछ अन्य देशों में भी देखने और सुनने को मिलने लगी हैं। कुछ दिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी व्यस्क लोगों (यानी मतदाताओं) को 5 हजार डॉलर देने की पेशकश की गई है, जिसमें शर्त यह है कि मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर आप ट्रंप की पार्टी को वोट दीजिए। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां भारत के प्रजातंत्र के बारे में टिप्पणियां तो करती ही हैं, भारतीय प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण चुनाव एवं सत्ता हस्तांतरण, प्रेस, मीडिया और बोलने की स्वतंत्रता, स्वायत्त न्याय पालिका एवं अन्य संस्थाओं के बावजूद भारतीय प्रजातंत्र को अत्यंत निचले स्तर पर रेटिंग की जाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा सीधे तौर पर वोट के बदले नोट देने की पेशकश, दुनिया में एक नई बहस को जन्म दे रही है कि क्या अब विकास, स्वच्छ प्रशासन, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, आमजन के लिए सुविधाओं की बजाए फ्रीबीज़ के आधार पर प्रजातंत्र में मतदाता वोट डाला करेंगे। ऐसे में यदि सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दल वोटरों को राशि देने की पेशकश करने में प्रतिस्पर्द्धा करने लगे तो उसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा। यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता यहां रुकने वाली नहीं है, यह नीचे राज्यों (स्टेट्स) तक जाएगी और वहां गवर्नर की रेस में लगे दल भी इसी प्रकार की पेशकश करने लगे, तो उसका असर जन सेवाओं पर कितना पड़ सकता है, इसका अंदाज भारत में इस प्रतिस्पर्धा से लगाया जा सकता है। भारत में मुफ्तखोरी योजनाओं की शुरुआत कहां से हुई, उसके बारे में चर्चा करते हुए यदि हम उसके प्रकार और फैलाव के बारे में देखते हैं तो ध्यान में आता है कि सरकारी खजाने पर इसका सर्वाधिक असर पंजाब, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडू आदि राज्यों में ज्यादा दिखाई देता है। भारत के महालेखाकार और अकेंक्षक (कैग) के अनुसार 2024-25 में पंजाब, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, और तमिलनाडू में कुल सरकारी खर्च के 13.5 प्रतिशत से ज्यादा इस प्रकार की योजनाओं में खर्च हो रहा था। हालांकि, तमिलनाडु और दिल्ली इन मुफ्तखोरी योजनाओं के खासे चर्चित उदाहरण रहे हैं, लेकिन इन राज्यों में सरकारी कर्ज सरकारी खातों में दिखाई नहीं देता, लेकिन यह इसलिए है कि दिल्ली में प्रति व्यक्ति सरकारी राजस्व, राष्ट्रीय औसत के दुगने से भी अधिक है। इसका अप्रत्यक्ष कारण यह है कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय औसत के मुकाबले दुगनी से भी अधिक है। कमोबेश यही स्थिति तमिलनाडु की भी है। भारतीय जनता पार्टी इन मुफ्तखोरी योजनाओं का

सैद्धांतिक रूप से विरोध करती रही है। अन्य राजनीतिक दलों की मुफ्तखोरी योजनाओं के मद्देनजर अब यह पार्टी भी सत्ता के समीकरण अपने पक्ष में करने हेतु खुलकर इन मुफ्तखोरी योजनाओं की केवल घोषणा ही नहीं कर रही, बल्कि उनके फायदे भी गिना रही है। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश में लाडली बहन योजना, दिल्ली में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और कई अन्य राज्यों में इस प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। हालांकि यह मुफ्तखोरी योजना ही है, लेकिन यह पार्टी की राजनीतिक मजबूरी भी कही जा सकती है।

दिल्ली की महिलाओं के लिए दी जाने वाली राशि केवल इसके लिए पात्र (ग़रीब) महिलाओं को ही मिलेगी। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी द्वारा दी जा रही मुफ्त बिजली, पानी आदि की सुविधा को बरकरार भी रखा है। इन सभी मुफ्तखोरी योजनाओं का असर देश पर बढ़ते कर्ज के रूप में भी दिखाई देता है। गौरतलब है कि 2010-11 में देश पर सम्मिलित कर्ज केंद्र और राज्य जीडीपी का 65.6 प्रतिशत था। जिसमें केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी का 48.58 प्रतिशत और राज्यों का कर्ज जीडीपी का 23.5 प्रतिशत था। गौरतलब है कि देश पर सम्मिलित कर्ज आकलित करने के लिए केंद्र और राज्यों के आपसी लेनदेन को समायोजित किया गया है।

2024-25 में यह कर्ज बढ़कर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच गया। जहां केंद्र सरकार का कर्ज 48.8 प्रतिशत से बढ़कर 57.5 प्रतिशत तक पहुंचा, राज्य सरकारों पर कर्ज 23.5 प्रतिशत से बढ़ता हुआ 28.5 प्रतिशत तक पहुंच गया। जिन राज्यों द्वारा मुफ्त खोरी की योजनाओं को ज़्यादा अपनाया गया है, उन राज्यों का क़र्ज़ राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। 2024–25 में, कई राज्यों पर उनके जीएसडीपी (राज्य की जीडीपी) के मुकाबले काफ़ी ज़्यादा कर्ज़ था। पंजाब में यह 47.3 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 44.0 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 38.0 प्रतिशत, केरल में 37.0 प्रतिशत, राजस्थान में 36.0 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में 34.7 प्रतिशत। कर्ज़ का इतना ज़्यादा बोझ राजकोषीय गुंजाइश को सीमित करता है, ब्याज का बोझ बढ़ाता है और उत्पादक सार्वजनिक निवेश को रोक सकता है। आमदनी से ज्यादा खर्च और तदनुसार घाटे के बजटों ने देश पर कर्ज बढ़ाया ही है, लेकिन हाल ही में मुफ्तखोरी की योजनाओं के चलते यह गति और तेजी से बढ़ी है। गौरतलब है कि 2010-11 और 2018-19 के बीच देश पर कुल कर्ज 63.6 प्रतिशत से मामूली सा बढ़कर 66.5 प्रतिशत तक ही हुआ था। लेकिन पिछले मात्र 6 वर्षों में यह 2024-25 तक बढ़कर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच जाना वास्तव में चिंता का विषय है। यह भी सही है कि केंद्र सरकार की देनदारी में बड़ी वृद्धि कोरोना काल में हुई थी, जब 2019-20 और 2020-21 के दौरान केंद्र सरकार की देनदारियां जीडीपी के 62.9 प्रतिशत और राज्य सरकारों की देनदारियां 31.1 प्रतिशत तक पहुंच गई और दोनों की सम्मिलित देनदारियां 88.7 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि उसके बाद सम्मिलित लेनदारिया 81.9 प्रतिशत तक घट गई है, जिनमें केंद्र की देनदारियां 57.1 प्रतिशत हैं और राज्यों पर अभी भी ये 28.5 प्रतिशत बनी हुई हैं। ध्यातव्य है कि लेकिन अभी भी यह 2010-11 के 65.6 प्रतिशत से कहीं अधिक हैं।

समझा जा सकता है कि कहीं न कहीं मुफ़्तख़ोरी की स्कीमों के कारण राज्यों पर कर्ज़ का बोझ बढ़ रहा है, जिस के चलते देश पर कुल कर्ज का बोझ बढ़ा है। दुनिया में प्रजातंत्र का मजाक बना रही ये मुफ्तखोरी योजनाएं, देशों की बर्बादी की कहानी लिख रही हैं। इस संबंध में जनता से ही सशक्त आवाज़ उठने की जरूरत है, ताकि दुनिया को आर्थिक बर्बादी से बचाया जा सके।

(लेखक पूर्व प्रोफ़ेसर, दिल्ली विवि हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गांधी जयंती विशेष
रोहित कौशिक

दिल में नफरत पालकर गांधी को नहीं समझा जा सकता

महात्मा गांधी को समझने के लिए हमारा हृदय निर्मल होना चाहिए। अपने दिल में नफरत पालकर हम गांधी को नहीं समझ सकते। आमतौर पर इस पढ़े-लिखे समाज में जब गांधी पर कोई चर्चा होती है तो उसमें हास्य का भाव ज्यादा होता है। लोगों को लगता है कि इस दौर में गांधी के आदर्शों को अपनाकर जिंदगी नहीं चल सकती। सवाल यह है कि गांधी के आदर्श क्या हैं ? सत्य, अहिंसा और ईमानदारी ही तो गांधी के आदर्श हैं। क्या हम अपने बच्चों को यह शिक्षा देते हैं कि खूब झूठ बोलो, लड़ाई-झगड़े करो और बेईमानी के रास्ते पर चलो। बेईमान व्यक्ति भी अपने बच्चों को सीधे तौर पर ऐसी शिक्षा नहीं देता है। यह बात अलग है कि बच्चे व्यावहारिक रूप से अपने पिता की बेईमानी देखकर उसी रास्ते पर आगे बढ़ने लगते हैं। हम अपने घर में भी बच्चों को अच्छा बनने की ही शिक्षा देते हैं।

फिर क्या कारण है कि हम गांधी के रास्ते को व्यावहारिक नहीं मानते हैं? गांधी का रास्ता हमें मुश्किल लगता है। समाज में अच्छाई का उपदेश देने वाले वाले साधु-संतों और मुल्ला-मौलवियों के आगे हम नतमस्तक हो जाते हैं, लेकिन सच्चे अर्थों में अच्छाई स्थापित करने की कोशिश करने वाले गांधी को हम हास्य के तौर पर क्यों देखने लगते हैं? क्या यह हमारा खोखला आदर्शवाद नहीं है ? आमतौर पर यह कहा जाता है कि इस दौर में शांत रहकर गांधी के अहिंसा के सिद्धान्त को नहीं अपनाया जा सकता। अगर हम शांत रहेंगे तो इसे हमारी कमजोरी मान लिया जाएगा। गलत बातों का प्रतिकार करना और शांत रहना दो अलग बातें हैं। अगर हम शांत प्रवृत्ति के हैं और शांति व अहिंसा चाहते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं है कि हम गलत बातों का प्रतिकार नहीं कर सकते। गांधी ने शांत रहकर अहिंसा के माध्यम से ही गलत बातों का प्रतिकार किया। क्या इस दौर में यह संभव हो सकता है ? इस दौर में यह मुश्किल जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। शांति और अहिंसा की अपनी एक अलग शक्ति होती है। इस समय हमने ऐसा वातावरण बना दिया है कि हमारे लिए इस शक्ति को महसूस करना थोड़ा मुश्किल हो गया है। हम इतनी हड़बड़ी में हैं कि इस शक्ति को महसूस नहीं करना चाहते। हम हिंसा के माध्यम से दूसरे को तत्काल दबा देना चाहते हैं। आर्थिक समृद्धि ने हमारी मानसिकता में एक बड़ा परिवर्तन किया है। इस परिवर्तन से उपजे आत्मविश्वास के कारण हम हर किसी को देख लेने की धमकी देने लगे हैं। गांधी ने किसी को देख लेने की धमकी नहीं दी और अहिंसा के माध्यम से ही अंग्रेजों को देख लिया। अहिंसा के प्रयोग को हमने कमजोरी से जोड़ लिया है। हमें यह डर रहता है कि यदि हम अहिंसा के मार्ग पर चलेंगे तो कमजोर मान लिए जाएंगे। जब तक हम अहिंसा के प्रयोग से डरते रहेंगे तब तक अहिंसा की शक्ति को महसूस नहीं कर पाएंगे। हम यह नहीं समझ पाते हैं कि हिंसा की शक्ति तात्कालिक होती है, लेकिन अहिंसा की शक्ति दीर्घकालिक होती है। अगर हम दीर्घकालिक शक्ति के मार्ग पर चलेंगे तो कुछ समय बाद तात्कालिक शक्ति कमजोर हो जाएगी। जब लोग धीरे-धीरे अहिंसा की शक्ति समझने लगेंगे तो हिंसा के खत्म होने की संभावना बढ़ जाएगी। लेकिन इस प्रक्रिया के लिए धैर्य की जरूरत है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हमारे पास धैर्य की कमी है और हम गांधी पर यह आरोप लगाते हैं कि इस दौर में अहिंसा और ईमानदारी के माध्यम से कुछ संभव नहीं हो सकता।

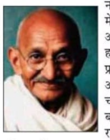

इस दौर में भी गांधी प्रासंगिक है। गांधी के प्रति पूर्वाग्रहों के कारण ही यह कहा जाता है कि इस दौर में गांधी प्रासंगिक नहीं हैं। सवाल यह है कि एक जमाने में जिस गांधी के पीछे लाखों लोग हो लेते थे, आज उसी गांधी के बारे में नकारात्मकता का भाव क्यों है ? हमारे पुरखों ने गांधी में कुछ अच्छाइयां देखी होंगी, तभी उन्होंने गांधी पर भरोसा जताया। आज हम गांधी में बुराइयां ढूंढ़ रहे हैं। गांधी पर सवाल उठाना और स्वयं सवालों से बच जाना बहुत आसान है। दूर खड़े होकर गांधी को नहीं समझा जा सकता है। गांधी को समझने के लिए हमें गांधी के पास जाना होगा। कौन हैं वे लोग जिन्हें गांधी के पास जाने से डर लगता है? निश्चित रूप से हिंसक लोगों को गांधी के पास जाने से डर लगता है। ऐसे लोग ही डरकर गांधी पर विभिन्न आरोप लगाते हैं। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि जो लोग गांधी जैसे अहिंसक और प्रेमी इंसान से भी डरते हैं वे कितने कमजोर लोग हैं। जाहिर है कि कमजोर लोग गांधी को नहीं समझ सकते। गांधी को समझने के लिए प्रेम की शक्ति चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

एक सप्ताह अपने लिए निकालें

संकलित
दर्शन

श्वास और मन पर ध्यान देने से हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) मजबूत होता है। यदि आप शिशुओं को देखें, तो पाएंगे कि वे अत्यंत संतुलित तरीके से श्वास लेते हैं। वे पूरे शरीर से श्वास लेते हैं-जब वे श्वास अंदर लेते हैं, तो पेट बाहर आता है, और जब श्वास छोड़ते हैं, तो पेट भीतर चला जाता है। पर जैसे-जैसे हम तनावग्रस्त होते हैं, यह प्रक्रिया उल्टी हो जाती है। ऐसी बातें कोई सिखाता नहीं, बस सजगता चाहिए। पर हमारा मन इतना व्यस्त, विचारों, निर्णयों और प्रतिक्रियाओं से भरा होता है कि हम प्रकृति की इन सूक्ष्म बातों को देख ही नहीं पाते। इसलिए साल में एक बार, एक सप्ताह अपने लिए निकालें, जैसे आप कार की सर्विसिंग कराते हैं। उस समय प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहें, सूर्योदय के साथ उठें, हल्का और आवश्यक मात्रा में भोजन करें, व्यायाम करें, योग, प्राणायाम, कुछ समय मौन रखें और प्रकृति का आनंद लें। जब हम प्रकृति से जुड़ते हैं, तो हमारी पूरी प्रणाली पुनर्जीवित हो जाती है। हम ऊर्जावान, उत्साही और प्रफुल्लित अनुभव करते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण है- जीवन में अधिक प्रसन्न रहना। चीजों को बहुत गंभीरता से न लें। थोड़ा सा आत्मज्ञान, अपने मन, चेतना और भ्रमों के मूल को समझना हमें जीवन को सुंदर बनाने में मदद करता है। हर व्यक्ति में सभी सद्गुण पहले से विद्यमान हैं, बस अज्ञानता की परतों से ढके हैं। हमें केवल उन्हें हटाना है और भीतर छिपे उन गुणों को प्रकट होने देना है।

गरीब विद्वान व राजा भोज बने भाई-भाई

संकलित
प्रेरणा

कई वर्ष पहले धार में राजा भोज का शासन था। उस राज्य में एक गरीब विद्वान रहता था। आर्थिक तंगी से घबराकर एक दिन विद्वान की पत्नी ने उससे कहा-आप राजा भोज के पास क्यों नहीं जाते? वह विद्वानों का बड़ा आदर करते हैं। हो सकता है आपकी विद्वता से प्रभावित होकर वह आपको ढेर सारा धन दे दें। विद्वान राजा के दरबार में पहुंचा। पहरेदार ने पूछा- आप कौन हैं? कहां जाना है? विद्वान ने कहा- जाओ राजा से कहो कि उनका भाई आया है। पहरेदार ने जब भोज को यह बात बताई तो... वह सोचने लगे- मेरा तो कोई भाई है नहीं है फिर कौन हो सकता है। कहीं कोई धूर्त तो नहीं। उनकी उत्सुकता जागी। उन्होंने विद्वान को बुलवा लिया। 'कैसे हुए भाई-भाई' भोज ने विद्वान से पूछा- क्या तुम मेरे भाई हो? किस नाते से? विद्वान ने कहा- मैं आपका मौसेरा भाई हूं। आपकी मौसी का लड़का। भोज ने पूछा- कैसे? मेरी तो कोई मौसी नहीं है। विद्वान बोला- महाराज। आप संपत्ति माता के पुत्र हैं और मैं विपत्ति माता का पुत्र। संपत्ति और विपत्ति बहनें हैं। इस नाते मैं आपका मौसेरा भाई हुआ न। यह सुनकर भोज बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं विद्वान को दीं। फिर भोज ने पूछा- मेरी मौसी तो कुशल हैं न? इस पर विद्वान ने जवाब दिया- राजन, जब तक आपकी मौसी जीवित थीं, आपके दर्शन नहीं हुए थे। अब आपके दर्शन हुए तो आपकी मौसी स्वर्ग सिधार गईं। इस उत्तर से भोज को और भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्वान को गले से लगा लिया।

अंतर्मन

आज की पाती

भारत के समक्ष नई चुनौती

आज सोशल मीडिया हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोग कुछ ही सेकंड में देश-दुनिया की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। सोशल मीडिया ने सूचना के आदान-प्रदान को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं। अब सूचना का इस्तेमाल केवल लोगों को जानकारी देने के लिए नहीं, बल्कि उनकी सोच और भावनाओं को प्रभावित करने के लिए भी किया जा सकता है। इसी कारण सूचना युद्ध आज राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है। सूचना युद्ध का अर्थ है ऐसी सूचनाओं का इस्तेमाल करना, जिनके माध्यम से लोगों की सोच, भावनाओं, विश्वास और निर्णयों को प्रभावित किया जा सके। इसमें झूठी खबर, आधी-अधूरी जानकारी आदि शामिल हैं।

- मुकेश शर्मा, रेवाड़ी

ट्रेंड

नितेश को बधाई

एशियन गेम्स में पुरुषों की ग्रीको-रोमन 97 किलो कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतने पर नितेश को बधाई। भारत के 64 साल के इंतजार को खत्म करते हुए, नितेश ने भारत के लिए एक अहम उपलब्धि हासिल की है।
- **योगी आदित्यनाथ**, सीएम, उत्तरप्रदेश

सामाजिक न्याय

मोदी जी सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ़ हैं। उनका पूरा सिस्टम शिक्षा से नफरत करता है क्योंकि वे नहीं चाहते कि छात्र सोचें या सवाल पूछें। एक ट्वीट में, बाबासाहेब अंबेडकर की "एनिहिलेशन ऑफ़ कास्ट" (जाति का विनाश) जैसी ज़रूरी किताब के बारे में कहा गया कि ये युवाओं के दिमाग में "ज़हर" घोलती है।
-**राहुल गांधी**, सांसद, कांग्रेस

सम्मान और दाम

हरियाली सिर्फ़ ख़ुशहाली की निशानी नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हर घर-आंगन में फलनी-फूलनी चाहिए और यह तभी मुमकिन होगा जब किसानों, खेती, ग्रामीणों को उनकी मेहनत का सम्मान और दाम, दोनों मिलें। -**अखिलेश यादव**, सांसद, सपा

एआई निष्पक्ष नहीं

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसी ताकत है जो बहुत बड़े पैमाने पर बदलाव ला रही है और मेरी नजर में, करुणा भी कुछ ऐसी ही है। एआई कभी भी निष्पक्ष नहीं होता; यह हमारी कमियों, पूर्वाग्रहों और इरादों को अपनाकर उन्हें कई गुना बढ़ा देता है।
-**कैलाश सत्यार्थी**, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता

करंट अफेयर

लाहौर में नेहरू पार्क के जीर्णोद्धार का काम शुरू

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ऐतिहासिक नेहरू पार्क के जीर्णोद्धार का काम शुरू हो गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कृष्णा नगर इलाके में स्थित नेहरू पार्क उस स्थान पर बना है, जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन के दौरान 31 दिसंबर, 1929 को 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव में भारत के लिए पूर्ण स्वशासन और ब्रिटिश शासन से पूरी स्वतंत्रता की मांग की गई थी। उस समय कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू ने इस घोषणा के प्रतीक के तौर पर इसी स्थान पर भारतीय ध्वज फहराया था। पार्क्स एंड हॉर्टिकल्चर अथॉरिटी (पीएचए) के महानिदेशक अहमद उस्मान जावेद ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने ऐतिहासिक नेहरू पार्क का पूरी तरह जीर्णोद्धार करने का फैसला किया है और इस दिशा में काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, 'बागवानी शाखा पार्क को नया रूप देने के लिए हरी-भरी घास और रंग-बिरंगे मौसमी फूल लगा रही है, जबकि इंजीनियरिंग टीम रात में रोशनी की व्यवस्था करने के साथ बेंच और बच्चों के झूले लगाएगी, ताकि इसे परिवारों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाया जा सके।'

ऑफ बीट

भूजल घटने से धंस रहे दुनिया के शहर, रोक सकते हैं प्रक्रिया

दुनिया के कई शहरों के नीचे मौजूद भूजल भंडारों से जरूरत से ज्यादा पानी निकाले जाने के कारण जमीन धंस रही है जिससे तटीय शहरों पर समुद्र के बढ़ते जलस्तर का खतरा और बढ़ रहा है। हालांकि, नए शोध के अनुसार भूजल भंडारों को फिर से भरने से जमीन के धंसने की प्रक्रिया को कुछ हद तक रोका जा सकता है। शोध में यह भी सामने आया कि भूजल की तेजी से बहाली और जमीन के ऊपर उठने की प्रक्रिया में भूमिगत भ्रंश रेखाएं (फॉल्ट लाइन) महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भूमि का धीरे-धीरे नीचे धंसना दुनिया के कई बड़े शहरों के लिए चुनौती बन गया है। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के कुछ हिस्से हर साल 10 सेंटीमीटर से अधिक धंस रहे हैं, जिसके कारण सरकार को शहर को स्थानांतरित करने की योजना बनानी पड़ी है। चीन के तटीय शहर तियानजिन में करीब 1.5 करोड़ लोग रहते हैं। यदि वहां जमीन के धंसने की रफ्तार इसी तरह जारी रही तो 2120 तक शहर की 15 प्रतिशत आबादी पानी की चपेट में आ सकती है। सैन डियागो से लेकर ईरान के प्रमुख शहरों तक कई जगह ऐसी ही स्थिति है, जहां भूजल का दोहन उसके प्राकृतिक रूप से दोबारा भरने की क्षमता से अधिक हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने गांधी और शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

सादगी, साहस और राष्ट्रसेवा से भरे उनके जीवन की गाथाएं पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी, प्रत्येक व्यक्ति के लिए हमेशा पथप्रदर्शक बनी रहेंगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि सादगी, साहस और राष्ट्रसेवा से भरे उनके जीवन की गाथाएं पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपिता के स्मारक राजघाट और शास्त्री के स्मारक विजय घाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श और भारत की प्रगति के प्रति अटूट प्रतिबद्धता देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए हमेशा

पथप्रदर्शक बनी रहेगी। इससे पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधी का शाश्वत संदेश सभी को बेहतर समाज और विकसित भारत की दिशा में मार्गदर्शन देता रहेगा। उन्होंने कहा कि बापू का पूरा जीवन सत्य, अहिंसा, करुणा और सेवा का प्रकाश स्तंभ रहा और यह हर युग में मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा।

राजघाट और शास्त्री के स्मारक विजय घाट गए

पीएम मोदी, सोनिया और राहुल ने एक दूसरे को जोड़े हाथ, खरगे से की बात

सियासी हमलों के बीच शुक्रवार को संसद भवन से दिलचस्प वीडियो सामने आया। गांधी और शास्त्री की जयंती पर श्रद्धांजलि देने के मौके पर प्रधानमंत्री , कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी एक साथ दिखे। सभी ने एक दूसरे को हाथ जोड़े। इस दौरान खरगे और पीएम मोदी बातचीत भी करते दिखे। पीएम मोदी के साथ स्पीकर ओम बिरला, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू भी थे।

सेवाग्राम आश्रम में सर्वधर्म प्रार्थना की

वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा स्थित प्रतिष्ठित सेवाग्राम आश्रम में गांधी की जयंती मनाई गई। सर्वधर्म प्रार्थना और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत भक्ति गीतों के साथ आश्रम परिसर में नई तालीम से बापू कुटी तक निकाली गई शोभायात्रा से हुई। सुबह बापू कुटी में सर्वधर्म प्रार्थना आयोजित की गई और 'सूतक यज्ञ' के माध्यम से गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रचनात्मक कांग्रेस करेगी विविधता को संरक्षित

कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'रचनात्मक कांग्रेस' ने इस अवसर पर भारत की विविधता को संरक्षित करने और स्वतंत्रता संग्राम तथा संविधान के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया। संगठन ने कहा कि यह संकल्प गांधी के मूल्यों के साथ विरासत और उन संवैधानिक मूल्यों को समाहित करता है, जो देश की नींव हैं। रचनात्मक कांग्रेस ने कहा कि भारत की समृद्ध विविधता उसकी पहचान है।

गुरुग्राम में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' के तहत सफाई अभियान शुरू

गुरुग्राम। गुरुग्राम में गांधी जयंती पर 'स्वच्छता ही सेवा 2026' और 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत कचरे के लिए संवेदनशील स्थलों (जीवीपी) को कचरा मुक्त बनाने के अभियान की शुरुआत की गई।

खबर संक्षेप

अमरावती में भीषण टक्कर, 7 की मौत

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती में समृद्धि हाईवे पर गुरुवार को एक ट्रक और टेंपो पिकअप के बीच टक्कर हो गई।

इसमें 7 लोगों की मौत हो गई और 19 दूसरे घायल हो गए। यह हादसा धामनगांव रेलवे स्टेशन के पास हुआ। टेंपो में श्रद्धालु सवार थे जो राज्य के बुलढाणा में मौजूद मशहूर तीर्थस्थल शेगांव से दुर्गा प्रतिमा लेकर वर्धा जा रहे थे, तभी ट्रक से टक्कर हुई।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बबीता जैन पत्नी दिनेश कुमार जैन, जाति जैन, निवासी एम०जी० रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-03, मोहल्ला-ब्रम्ह रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 857/7 रकबा 700 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेस खसरा की प्रति सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-09.10.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 25/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को अवैध ढांचों, अतिक्रमण को हटाने को कहा

बिहार सरकार को फटकार लगाई और कहा अब समय नहीं देंगे

आखिरी बार 8 सप्ताह का समय दे रहे वरना करेंगे अब अवमानना की कार्रवाई

कोर्ट ने कहा कि अगर निर्देशों का पालन नहीं हुआ, तो हमें बिहार के मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को तलब करेंगे और अवमानना की कार्रवाई हो सकती है।

नौजर घाट से नूरपुर घाट के बीच गंगा के बाढ़ क्षेत्र में कार्रवाई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को पटना में नौजर घाट से नूरपुर घाट के बीच गंगा के बाढ़ क्षेत्र में बने सभी अवैध ढांचों और अतिक्रमण को हटाने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि 21 जुलाई को शीर्ष अदालत ने राज्य को 6 सप्ताह का समय दिया था, ताकि नौजर घाट से नूरपुर घाट के बीच गंगा के बाढ़ क्षेत्र में मौजूद अवैध निर्माण और अतिक्रमण को हटाया जा सके। 28 सितंबर को बिहार के महाधिवक्ता एसडी संजय ने पीठ को बताया कि शीर्ष अदालत के निर्देशों का आंशिक पालन हुआ है। हालांकि उन्होंने कहा कि नेपाल में आई हालिया प्राकृतिक आपदा के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया, जिससे यह पूरा इलाका जलमग्न हो गया और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगे बढ़ाना मुश्किल हो गया। इस पर पीठ ने नाराजगी जताते हुए कहा कि हम अंतिम बार 8 सप्ताह का समय देते हैं। अगर निर्देशों का पालन नहीं हुआ, तो हमें बिहार के मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को तलब करेंगे और अवमानना की कार्रवाई हो सकती है।

हस्तक्षेप करने पर देने होंगे स्वामित्व के दस्तावेज

अदालत ने साफ किया कि अगर कोई हस्तक्षेपकर्ता अभ्यावेदन देता है, तो उसे भूमि के स्वामित्व से जुड़े सभी दस्तावेज, निर्माण की स्वीकृति और अन्य आवश्यक अनुमतियां संलग्न करनी होंगी। कोर्ट ने अवैध निर्माण को गंभीर चिंता का विषय बताया था और 6 सप्ताह में नौजर से नूरपुर घाट तक के बीच सभी अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था।

एनजीटी के आदेश के खिलाफ याचिका दी

पीठ ने कहा कि अगली सुनवाई पर हम अतिक्रमण हटाने को लेकर पूर्ण अनुपालन रिपोर्ट चाहते हैं। इसके बाद कोई और समय नहीं दिया जाएगा। शीर्ष अदालत राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के जून 2020 के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील बाढ़ क्षेत्र में अवैध निर्माण और स्थायी अतिक्रमण के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी गई थी। 28 सितंबर के आदेश में पीठ ने यह भी कहा कि मामले में कुछ हस्तक्षेप याचिकाएं दाखिल की गई हैं, जिनमें दावा किया गया है कि निर्माण उनकी निजी जमीन पर है और वह बाढ़ क्षेत्र में नहीं आता। पीठ ने कहा कि ऐसे हस्तक्षेपकर्ता सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन दे सकते हैं।

सिब्बल ने यह दलील दी

राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि सीआईडी पहले से ही मामले की जांच कर रहा है और जांच लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर रहे सीआईडी अधिकारियों के खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप नहीं हैं, जिससे नए सिरे से जांच की जरूरत हो। उन्होंने उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार के सुझाव लिए बिना एसआईटी के सदस्यों का चयन किए जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने एसआईटी में कारागार महानिदेशक एवं महानिरीक्षक आलोक कुमार को शामिल किए जाने का भी उल्लेख किया।

न्यायालय ने कर्नाटक के केपीएससी भर्ती अनियमितता पर कहा

एसआईटी के गठन, नए सिरे से जांच पर रोक लगाई, 12 अक्टूबर तक जवाब दें

उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती में कथित अनियमितताओं की

नए सिरे से जांच करने और एसआईटी गठित करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने नोटिस जारी किया है। सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। कोर्ट ने 12 अक्टूबर तक राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

एसआईटी में आपत्ति हो तो हलफनामा दाखिल करें

राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह एसआईटी में नियुक्त अधिकारियों पर यदि कोई आपत्ति हो तो उसका उल्लेख करते हुए अतिरिक्त हलफनामा सीलबंद लिफाफे में दाखिल करे। राज्य सरकार जांच टीम के लिए वैकल्पिक नाम भी सुझा सकती है।

हाईकोर्ट ने एसआईटी गठन का दिया था आदेश

उच्च न्यायालय ने पशु चिकित्सकों की भर्ती में केपीएससी की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कुमार की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने और सीआईडी तथा संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने के पास मौजूद साक्ष्य एसआईटी को सौंपने का निर्देश दिया था।

यूसीसी पर लगी राष्ट्रपति की मुहर

अब गुजरात में एक समान कानूनी ढांचा तैयार किया

अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी

एजेंसी ⏭ अहमदाबाद

गुजरात में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो गया है। गुजरात यूनिफॉर्म सिविल कोड, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। इसके बाद राज्य सरकार ने राजपत्र अधिसूचना भी जारी कर दी है और राज्य में कानून को लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। मार्च 2026 में गुजरात यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पारित किया था। यह विधेयक विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े मामलों के लिए धर्म की परवाह किए बिना एक समान कानूनी ढांचा तैयार करने का प्रावधान करता है। राज्य सरकार जल्द अधिसूचना जारी करेगी।

विवाह और उससे जुड़े कानूनी मामलों में अहम बदलाव होंगे

यूसीसी के लागू होने के बाद विवाह और उससे जुड़े कानूनी मामलों में कई महत्वपूर्ण बदलाव होंगे। इसमें विवाह का पंजीकरण अनिवार्य करने का प्रावधान है। लिव-इन रिलेशनशिप को भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत पंजीकृत कराना होगा। कानून का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और संपत्ति से जुड़े मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान नियम लागू करना है। यूसीसी में उत्तराधिकार और संपत्ति के अधिकारों को लेकर बेटियों और बेटों के बीच समानता का प्रावधान किया गया है। बिना वसीयत के किसी व्यक्ति की मृत्यु होने की स्थिति में उसके जीवनसाथी, बच्चों और माता-पिता के अधिकार भी कानून के तहत निर्धारित किए गए हैं। सरोगेसी और गोद लेने से जुड़े बच्चों को भी कानूनी अधिकारों के मामले में समान सुरक्षा देने का प्रावधान किया गया है।

यूसीसी में एकविवाह का नियम लागू

यूसीसी में एकविवाह का नियम लागू किया गया है। इसके तहत पति या पत्नी के जीवित रहते दूसरा विवाह करने पर प्रतिबंध रहेगा। विवाह और तलाक से जुड़े मामलों के लिए भी एक समान कानूनी प्रक्रिया निर्धारित की गई है। यूसीसी की प्रमुख व्यवस्थाओं में लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण भी शामिल है। राज्य में ऐसे संबंधों को निर्धारित समय-सीमा और प्रक्रिया के तहत पंजीकृत कराना होगा।

एसटी के सदस्यों को प्रावधानों से छूट मिलेगी

यूसीसी में अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों को इसके प्रावधानों से छूट दी गई है। इसके पीछे आदिवासी समुदायों की पारंपरिक सामाजिक और वैवाहिक व्यवस्थाओं को ध्यान में रखना बताया गया है।

न्यायालय कलेक्टर, जिला-सरगुजा (अम्बिकापुर) छत्तीसगढ़
रा.प्र.क्र. 89/अ-27/2025-2026
ईश्तहार / सूचना पत्र

अपीलार्थीगण जगेतराम आ० स्व० तेजराम एवं अन्य 01 निवासी ग्राम, लिपिगी पोस्ट कुन्नी तहसील लखनपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर लिंक कोर्ट लखनपुर के रा.प्र.क्र. 202203022200051/ अ-27/2024-2025 में पारित आदेश दिनांक 16/07/2025 के विरूद्ध छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 (1) के तहत इस न्यायालय मे द्वितीय अपील प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान मे उक्त प्रकरण उत्तरवादीगण (1) गंगा बाई पति महेश राम, निवासी ग्राम अंधला पोस्ट व तहसील लखनपुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) (2) मनियारो पति स्व० तेजराम, निवासी ग्राम लिपिगी पोस्ट कुन्नी तहसील लखनपुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के इस न्यायालय में उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक 22/10/2026 को नियत है।

अतः सभी उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 22/10/2026 को इस न्यायालय में दिन के 02:30 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादीगण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 18/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुदा से जारी।

प्रभारी अधिकारी
कलेक्टर वाचक शाखा

राहुल से मिल वड़िंग का छलका दर्द

साढ़े चार साल मैंने काम किया अब मुझे आराम करना चाहिए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने शुक्रवार को दिल्ली में नेता विपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। वे भावुक हो गए। अमरिंदर ने कांग्रेस हाईकमान को अपना इस्तीफा भी सौंप दिया।वड़िंग ने उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के बायो में बदवाल किया था और खुद को पंजाब प्रदेश कांग्रेस का पूर्व अध्यक्ष बताया था। इस दौरान अपने काम को गिनाया।

मुझे थोड़ी देर के लिए छुट्टी लेनी चाहिए

अमरिंदर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा साढ़े चार साल मैंने काम किया है, मुझे लगता है कि कुछ वक्त आराम भी करना चाहिए। वड़िंग ने कहा कि वह इस बात का फैसला कैसे कर सकते हैं कि आगे उनका क्या रोल होगा? लुधियाना से सांसद ने कहा कि मुझे लगता है कि मुझे थोड़ी देर के लिए छुट्टी ले लेनी चाहिए।

भाजपा का 'पीसी' कार्यालय पर धरना

अवमानना पर सीएम डीके पर एफआईआर दर्ज हो, अरेस्ट करें

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

कर्नाटक में भाजपा ने बेंगलुरु पुलिस आयुक्त कार्यालय की सीढ़ियों पर धरना देकर सीएम डीके शिवकुमार और कैबिनेट के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की और आरोप लगाया कि उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है। प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर अशोक भी थे।

हाईकोर्ट की अवमानना की

शिवकुमार ने सहयोगियों के साथ सीईओ कार्यालय के बाहर धरना दिया था। एसआईआर के दौरान फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग की जांच और इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि शिवकुमार ने अधिकारी के यहां प्रदर्शन कर कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन किया।

कोलकाता में जिला उपभोक्ता आयोग का ऐतिहासिक फैसला

बिना सबूत खारिज करना सेवा में कमी

बीमा कंपनी ने खारिज किया क्लेम अब चुकाने होंगे 1 करोड़ रुपए

एजेंसी ⏭ कोलकाता

अगर किसी व्यक्ति ने लाइफ इंश्योरेंस करवाया हो और पॉलिसीधारक की मौत हो जाए, फिर इंश्योरेंस कंपनी क्लेम खारिज कर दें तो ऐसी स्थिति में परिवार क्या करेगा? कुछ ऐसा ही एक मामला कोलकाता से सामने आया है, जहां पर जिला उपभोक्ता आयोग ने लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को पॉलिसीधारक के बेटे को 1 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कंपनी को

99.41 लाख के साथ 50 हजार रुपए मुआवजा और 10 हजार रुपए कानूनी खर्च का देने को कहा। मामले पर आयोग का कहना है कि क्लेम को बिना किसी सबूत के खारिज करना कंपनी की सेवा में कमी है।

इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस का मामला

यह मामला इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस से जुड़ा है। एक महिला ने 1 करोड़ की टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी ली थी।

अनंत ने किया 1 लाख करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान

मुझे आंध्र का बेटा मानिए और आप आदेश दीजिए

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

आंध्र के मुख्यमंत्री नायडू ने अंबानी को आंध्र का लाडला बेटा बताया

आंध्र प्रदेश के मदनपल्ले में गांधी जयंती पर कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने की शुरुआत हुई। सीएम एन चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडियन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर का शिलान्यास किया। इस मंच पर मौजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी को नायडू ने आंध्र का लाडला बेटा बताया। अनंत ने भी खुद को इस माटी का बेटा बताते हुए राज्य में 1 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा की। यह निवेश कंप्रेस्ड बायोगैस प्रोजेक्ट्स में लगाया जाएगा। इस मौके पर रायलसीमा हॉर्टिकल्चर हब की नींव भी रखी। इस पूरे प्रोजेक्ट से राज्य के किसानों की आय में इजाफा होगा।

- मदनपल्ले में कंप्रेस्ड बायोगैस प्रोजेक्ट्स लगाएंगे अंबानी

अनंत का खास परिचय कराया

नायडू ने अनंत का खास अंदाज में परिचय कराया। उन्होंने कहा कि अनंत एक युवा उद्योगपति नहीं हैं, बल्कि वे आंध्र के लाडले बेटे हैं। अनंत ने कहा कि आप मुझे आंध्र का बेटा मानिए और आदेश दीजिए कि मैं आपके राज्य के लिए क्या कर सकता हूं?

किसानों को नई तकनीक से जोड़ेंगे

अनंत ने किसानों को नई तकनीक से जोड़ने की बात कही। उन्होंने याद दिलाया कि 25 साल पहले चनायडू हैदराबाद में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस लेकर आए थे। अब वे किसानों के लिए इंडियन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर शुरू कर रहे हैं। अब यह संस्थान किसानों को उसके खेत का सीईओ बनाएगा। यहां ड्रोन, रोबोटिक्स की जानकारी मिलेगी।

किसान अब ऊर्जा के दाता भी बनेंगे

रिलायंस इस संस्थान के साथ मिलकर 4 बड़े स्तरों पर काम करेगा। गांवों में वर्चुअल क्लासरूम बनाकर किसानों को आधुनिक खेती सिखाई जाएगी। जियो कृषि के जरिए नई तकनीक सीधे खेतों तक पहुंचेगी। वनतारा पशु चिकित्सा विवि के अनुभव से पशुपालन को बढ़ावा दिया जाएगा। कंप्रेस्ड बायोगैस प्रोजेक्ट्स से राज्य में 3 लाख नौकरियां निकलेंगी।

सदैव प्रासंगिक रहेंगे बापू और शास्त्री जी के विचार : गोष्ठी में वक्ताओं ने किया आह्वान

सोनभद्र। ईश्वर प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं ईश्वर प्रसाद लॉ कॉलेज, देवरा राजा, पसही में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 122वीं जयंती संयुक्त रूप से श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि बापू और शास्त्री जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। विशेषकर जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी को उनके जीवन-मूल्यों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2020
प्रारूप (तीन)
शपथपत्र का प्रारूप

मैं शिवरतन (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी अमृतसाय नाग निवासी गाला, तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) 496118 ग्राम झक्कड़पुर, पोस्ट एतद् द्वारा में पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ.. मैं शहर/गाँव झक्कडपुर, पोस्ट छत्तीसगढ़ का स्थायी निवासी हूँ। गाला तहसील-पत्थलगांव, जिला जशपुर मेरा पुराना नाम शिवरतन है और मैं अपना नाम बदलकर सुरतन नाग (नया नाम) करवाना चाहता/चाहती हूँ। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूं, तो उसके लिए में पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा/ रहूंगी।

मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं/ रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समझ प्रस्तुत कर रहा हूं/रही हूं।

विष्णुदेव साय के नेतृत्व में उद्योग क्रांति की राह पर छत्तीसगढ़ - अमित चिमनानी

करीब 8 लाख करोड़ के निवेश के लिए 280 एमओयू, 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजन का दावा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास और वैश्विक निवेश के नक्शे पर तेजी से उभर रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने शुक्रवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता कर सरकार की औद्योगिक उपलब्धियों का ब्यौरा दिया। चिमनानी ने कहा कि राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के चलते छत्तीसगढ़ आज देशी-विदेशी निवेशकों के लिए पहली पसंद बनता जा रहा है।

8 लाख करोड़ के 280 एमओयू, 55% को जमीन मिली

भाजपा प्रवक्ता ने बताया कि अब तक राज्य में करीब 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश के लिए 280 बड़ी परियोजनाओं के एमओयू साइन किए जा चुके हैं। इनमें से लगभग 55 प्रतिशत परियोजनाओं को जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है या तेजी से प्रगति पर है।उन्होंने दावा किया कि जब ये सभी 280 परियोजनाएं धरातल पर पूरी तरह स्थापित हो जाएंगी, तो प्रदेश में 1.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। जिन इकाइयों में निर्माण और उत्पादन शुरू हो चुका है, वहां स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता से रोजगार दिया जा रहा है।

9,800 से अधिक इकाइयों को 1594 करोड़ की सब्सिडी

चिमनानी ने बताया कि 2023 से 2026 के बीच औद्योगिक नीति के तहत 6,310 औद्योगिक इकाइयों को 1,594.97 करोड़ रुपये की पूंजीगत और ब्याज सब्सिडी दी गई है।इसके अलावा 3,503 इकाइयों को स्टाम्प शुल्क और विद्युत शुल्क

में विशेष छूट का लाभ मिला है।इस तरह कुल 9,813 औद्योगिक इकाइयों को सरकार के वित्तीय प्रोत्साहन का सीधा फायदा पहुंचा है।

सिंगापुर-जापान से आएगा बड़ा निवेश

प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री के विदेश दौरे का भी जिक्र किया गया। चिमनानी ने कहा कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने सिंग फोरम 2026 के लिए पूरे देश से सिर्फ दो राज्यों छत्तीसगढ़ और हरियाणा का चयन किया है। सीएम साय इस समय सिंगापुर दौरे पर हैं, जहां वे सीईओ राउंडटेबल में ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स और फूड प्रोसेसिंग जैसे सेक्टर में निवेश के लिए वैश्विक निवेशकों से चर्चा कर रहे हैं।इससे पहले जापान दौरे के बाद जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेट्रो) की टीम ने छत्तीसगढ़ का दौरा कर नवा रायपुर में बन रहे इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, फार्मा पार्क, रेडीमेड गारमेंट्स पार्क और टेक्सटाइल पार्क का निरीक्षण किया था। जापानी निवेशकों के साथ लगातार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद जारी है। चिमनानी ने कहा, 'हमारा लक्ष्य सिर्फ फैक्ट्री लगाना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण हब बनाना है, जिसका सीधा लाभ हमारे युवाओं और किसानों को मिले।' इस दौरान भाजपा प्रदेश मीडिया सह-संयोजक राहुल राय और मीडिया पैनलिस्ट निशिकांत पांडे भी मौजूद रहे।

एशिया कप विजेता गीता यादव से मिले डिप्टी सीएम विजय शर्मा

कहा-कवर्धा की बेटी ने बढ़ाया देश-प्रदेश का मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। जूनियर महिला एशिया कप-2026 की विजेता भारतीय हॉकी टीम की सदस्य और कवर्धा की बेटी गीता यादव से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुलाकात कर बधाई दी। कवर्धा निवास कार्यालय में हुई इस मुलाकात में उपमुख्यमंत्री ने गीता को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। उपमुख्यमंत्री ने गीता से उनकी खेल यात्रा, अंतरराष्ट्रीय अनुभव, प्रशिक्षण और भविष्य के लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की।उन्होंने कहा कि एक सामान्य किसान परिवार से निकलकर देश का प्रतिनिधित्व करना कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। गीता

की सफलता क्षेत्र की नई पीढ़ी, खासकर खेल में आगे बढ़ने का सपना देख रही बेटियों के लिए प्रेरणा है।

बोड़ला से एशिया कप तक का सफर

कबीरधाम जिले के बोड़ला की रहने वाली गीता ने चीन के मोकी में आयोजित अल्ट्रा महिला जूनियर एशिया कप-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 13 सितंबर को खेले गए फाइनल में भारत ने मेजबान चीन को 1-0 से हराकर लगातार तीसरी बार खिताब जीता और ऋकल्ठ जूनियर महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। टूनार्मेंट में मिडफील्डर के तौर पर खेलते हुए गीता ने 4 गोल दागे। मलेशिया के खिलाफ 11-1 और जापान के खिलाफ 7-0 की जीत में उन्होंने 2-2 गोल कर अहम भूमिका निभाई।गीता ने हॉकी की शुरूआती ट्रेनिंग कोच शिवा चौहान से ली, फिर बिलासपुर स्थित खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने खेल को निखारा। 2024 में नीदरलैंड-बेल्जियम दौरे से अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू करने वाली गीता अर्जेंटीना और इंग्लैंड-स्कॉटलैंड दौरे में भी टीम इंडिया का हिस्सा रह चुकी हैं और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम से जुड़ी हैं। मुलाकात के दौरान कवर्धा में खेल सुविधाओं के विस्तार, स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन को लेकर भी चर्चा हुई।

वैश्विक निवेश मानचित्र पर छत्तीसगढ़, सिंग फोरम 2026 के लिए सिंगापुर पहुंचे सीएम, उच्चायुक्त ने किया स्वागत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य में निवेश की नई संभावनाओं को विस्तार देने के उद्देश्य से आज सिंगापुर पहुंचे। सिंगापुर पहुंचने पर भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मुख्यमंत्री साय का आत्मीय स्वागत किया। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रथम सिंग फोरम 2026 में सहभागिता के लिए छत्तीसगढ़ को नमित किया गया है। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ को अपनी उपलब्धियों, विकास की अपार संभावनाओं और निवेश के आकर्षक अवसरों को वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय सिंग फोरम 2026 में छत्तीसगढ़ की ओर से सहभागिता करेंगे।फोरम के दौरान आयोजित सीईओ राउंडटेबल में वे सिंगापुर के प्रमुख निवेशकों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा करेंगे। इस दौरान प्रदेश में निवेश की संभावनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को प्रमुखता से रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का दृढ़ प्रयास है कि नई औद्योगिक नीति, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, सुदृढ़ अधोसंरचना, कुशल मानव संसाधन तथा उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक निवेश मानचित्र पर छत्तीसगढ़ की मजबूत पहचान बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री साय की सिंग फोरम 2026 में सहभागिता वैश्विक निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ की विकास संभावनाओं और निवेश अवसरों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी।

दीपावली से पहले कोरबा में दौड़ेंगी 40 ई-बसें, दर्री में 1.54 करोड़ का चार्जिंग स्टेशन तैयार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा।शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था अब आधुनिक और प्रदूषण मुक्त होने जा रही है। केंद्र सरकार से स्वीकृत 40 ई-बसों के संचालन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और दीपावली से पहले बसें सड़कों पर दौड़ने लगेंगी। इसके लिए दर्री स्थित प्रतीक्षा बस स्टैंड में 1.54 करोड़ की लागत से बना चार्जिंग सब-स्टेशन लगभग तैयार हो चुका है।

20 बड़ी, 20 मिनी ई-बसें चलेंगी

नगर निगम की योजना के अनुसार 20 नौ मीटर लंबी बड़ी ई-बसें मुख्य मार्गों पर चलेंगी, जबकि 20 सात मीटर लंबी ई-मिनी बसें कॉलोनियों और संकरी सड़कों पर संचालित होंगी।इससे रविशंकर शुक्ल नगर, आरपी नगर, एमपी नगर, टीपी नगर जैसे भीतरी इलाकों तक बस सुविधा पहुंचेगी।इसका सीधा लाभ स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को मिलेगा।ये बसें निगम क्षेत्र के साथ ही बांकीमोंगरा, दीपका, बालको और हरदीबाजार जैसे उपनगरीय क्षेत्रों को भी जोड़ेगी।पीएम स्कूल, पीजी कॉलेज, कमला नेहरू, मिनीमाता महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और रेलवे स्टेशन को रूट

में विशेष प्राथमिकता दी गई है। प्रत्येक बस एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 200 किमी और प्रतिदिन लगभग 400 किमी तक संचालित होगी।

पुरानी 48 बसों की नीलामी अटकी

इधर ई-बसों के लिए जगह बनाने हेतु दर्री बस स्टैंड में खड़ी 48 पुरानी सिटी बसों की नीलामी का निर्णय दो माह पहले ही हो चुका है।ईएंडएम विभाग ने दर भी तय कर दी है, लेकिन शासन से अनुमति नहीं मिलने से प्रक्रिया अटकी है।अधिकारियों का कहना है कि समय पर नीलामी न होने से बसों की कीमत और घट जाएगी और नई ई-बसों को खड़ा करने में दिक्कत होगी।

प्रदूषण घटेगा, जेब भी बचेगी

निगम अधिकारियों के अनुसार ई-बसों के रखरखाव के लिए वर्कशॉप और प्रशासनिक भवन का काम भी अंतिम चरण में है।नई सेवा शुरू होने से विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित, सस्ती यात्रा मिलेगी। डीजल की खपत घटेगी और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। भविष्य में इसी चार्जिंग स्टेशन पर अन्य इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर भी चार्ज हो सकेंगे।

नाट्य मंचन के जरिए सरकार की उपलब्धियों और नीतियों का किया प्रचार

रेणुकूट।पिपरी नगर पंचायत स्थित कल्याण मंडप में शुक्रवार को सरकार की नीतियों एवं उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए लखनऊ से आए कलाकारों ने नाट्य मंचन प्रस्तुत किया। कलाकारों ने विभिन्न घटनाओं और समसामयिक मुद्दों को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए लोगों को सरकार की ओर से किए गए कार्यों की जानकारी दी। नाट्य मंचन के दौरान पहलगाम आतंकी हमला और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर सहित विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने अभिनय और संवादों के माध्यम से देश की सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई तथा सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों में रुचि दिखाई। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिराम शाह ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं नाट्य मंचन के माध्यम से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आम लोगों तक सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाया जा सकता है।प्रांतीय परिषद सदस्य राकेश पांडेय तथा विधानसभा संयोजक प्रभाशंकर मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की जानकारी दी।

सीएएफ जवान की गोली लगने से मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बीजापुर।फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के सेंड्रा कैंप में सीएएफ आरक्षक विजेंद्र ठाकुर (42) की गोली लगने से मौत का मामला उलझ गया है। पुलिस जहां इसे सर्विस इंसास राइफल से खुद को गोली मारने की घटना मान रही है, वहीं परिजनों ने इसे आत्महत्या मानने से साफ इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ड्यूटी के बाद मिला शव

घटना बुधवार सुबह की है। पुलिस के मुताबिक विजेंद्र की सुबह 3 से 5 बजे तक सुरक्षा ड्यूटी थी। ड्यूटी खत्म होने के बाद जब वह बैरक नहीं लौटे तो साथी जवानों ने तलाश शुरू की। कैंप परिसर में ही उनका शव पड़ा मिला।सीने में गोली लगी थी और पास में उनकी सर्विस इंसास राइफल पड़ी थी।सूचना पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। फरसेगढ़ थाना प्रभारी आनंद शुक्ला के अनुसार विजेंद्र 75 दिन की लंबी छुट्टी के बाद 10 दिन पहले ही कैंप में वापस लौटे थे और ड्यूटी ज्वाइन की थी।

सूरजपुर में परिजनों का हंगामा

जवान का शव जब सूरजपुर स्थित उसके गृह गांव पहुंचा तो परिजनों और ग्रामीणों ने मौत पर सवाल उठा दिए। परिजनों का कहना है कि विजेंद्र ऐसा कदम नहीं उठा सकते।उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की गहराई से जांच की मांग की है।

फॉरेंसिक रिपोर्ट से खुलेगा राज

परिजनों की आपत्ति के बाद अब जांच कई एंगल से होगी। पुलिस गोली चलने की परिस्थिति, सर्विस राइफल की फॉरेंसिक जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल के साक्ष्यों के आधार पर मौत की असली वजह तलाश रही है।साथी जवानों से भी पूछताछ की जा रही है। बता दें कि बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और कांकेर में पहले भी सर्विस हथियार से जवानों की मौत के मामले सामने आ चुके हैं,

यूथ कांग्रेस चुनाव ने उजागर की कांग्रेस की गुटबाजी - भाजयुमो अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।यूथ कांग्रेस चुनाव को लेकर कांग्रेस में मचे घमासान पर भाजयुमो ने चुटकी ली है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमरजीत भगत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यूथ कांग्रेस के चुनाव ने कांग्रेस की गुटबाजी और अंतर्कलह को पूरी तरह उजागर कर दिया है। टिकरिहा ने कहा कि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अमरजीत भगत चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं और इसे पार्टी को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने वाला बता रहे हैं। इससे कांग्रेस की संगठनात्मक स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।कार्यकताओं के बीच खुलेआम आरोप-प्रत्यारोप हो रहा है।

बेटे का नामांकन रद्द होने से नाराज हैं भगत

भाजयुमो अध्यक्ष ने निशाना साधते हुए कहा कि यूथ कांग्रेस चुनाव में अमरजीत भगत के बेटे आदित्य भगत का नामांकन उम्र संबंधी नियमों के कारण रद्द हुआ है।क्या इसी वजह से भगत चुनाव प्रक्रिया से नाराज हैं और सवाल उठा रहे हैं? उन्होंने कहा कि कांग्रेस आंतरिक लोकतंत्र की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन यूथ कांग्रेस के चुनाव ने ही इस लोकतंत्र की पोल खोल दी है। जब युवा संगठन में पद के लिए ही इतना विवाद है, तो कांग्रेस में अनुशासन और समन्वय कैसे बचेगा। टिकरिहा ने कहा कि कांग्रेस को इस विवाद को सिर्फ चुनावी प्रक्रिया तक सीमित न मानकर अपने संगठनात्मक ढांचे पर आत्ममंथन करना चाहिए। वहीं कांग्रेस ने भाजपा के इन आरोपों को राजनीतिक प्रतिक्रिया बताया है।

मेहनत और लगन से प्रतिभाओं ने बढ़ाया परिवार व समाज का गौरव - उपमुख्यमंत्री शर्मा

प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन कर मेहनत और लगन से आगे बढ़ने का किया प्रेरित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा कबीरधाम जिले के ग्राम जिंदा में कौशिक समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए।इस अवसर पर उन्होंने समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह में शिक्षा, कला, खेल, सामाजिक कार्य एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने प्रतिभाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उपमुख्यमंत्री विजय ने कहा कि समाज की प्रतिभाएं अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज का गौरव बढ़ा रही हैं। ऐसे प्रतिभावान युवाओं और विद्यार्थियों का सम्मान एवं प्रोत्साहन उन्हें आगे बढ़ने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने प्रतिभाओं से निरंतर मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कौशिक समाज के पदाधिकारी, सामाजिकजन, जनप्रतिनिधि, प्रतिभागी एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। समारोह में प्रतिभाओं के सम्मान के साथ समाज की एकजुटता और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने का सकारात्मक संदेश भी दिया गया।

पत्नी को भगा ले जाने का आरोप, न्याय की गुहार लेकर एसपी दफ्तर पहुंचा पति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एक युवक ने अपनी पत्नी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थी का कहना है कि स्थानीय पुलिस चौकी में सुनवाई न होने के कारण उसे न्याय की गुहार लगाने उच्चाधिकारियों की चौखट पर पहुंचना पड़ा।

पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए आवेदन में ग्राम बांसापारा के तुलेश्वर साहू ने बताया कि उसकी पत्नी करीब एक माह पूर्व अपने मायके गई हुई थी। आरोप है कि वहां से एक संदेही व्यक्ति उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। प्रार्थी के अनुसार उनकी करीब दो वर्ष की एक मासूम बच्ची है, जो इस दौरान मायके में ही रह गई है और मां के बिना लगातार परेशान है। आवेदक ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि इस मामले की सूचना देने वह दो बार बसदेई चौकी गया था, परंतु वहां उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। स्थानीय स्तर पर कोई ठोस पहल न होने से परेशान होकर उसने 28 सितंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आवेदन सौंपा और मामले में उच्चाधिकारियों से हस्तक्षेप की गुहार लगाई।

आवेदन में संबंधित संदेही व्यक्ति का विवरण दर्ज करते हुए पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, महिला का पता लगाने तथा संदेही के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस की लेटलतीफी से यात्री बेहाल, दोपहर तक रायपुर पहुंच रहे यात्री

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अम्बिकापुर से दुर्ग जाने वाली ट्रेन 18241 अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस की लगातार लेटलतीफी अब यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। यात्रियों का कहना है कि पिछले दो-तीन माह से ट्रेन लगातार अपने निर्धारित समय से काफी विलंब से चल रही है, जिसके चलते रेल यात्रा का पूरा शेड्यूल बिगड़ गया है।

स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सूरजपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने का निर्धारित समय रात 11.10 बजे है, लेकिन बीती रात करीब 2.30 बजे तक ट्रेन सूरजपुर नहीं पहुंची। ऐसे में स्टेशन पर घंटों इंतजार कर रहे यात्रियों की परेशानी का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। लोगो को ट्रेन का रात भर इंतजार करने के बाद भी समय पर मंजिल नहीं मिल रही है। अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस क्षेत्र के लिए राजधानी यात्रा की महत्वपूर्ण यात्री ट्रेन है। इसके भरोसे बड़ी संख्या में व्यापारी, छात्र, नौकरी पेशा लोग और मरीज सहित आम यात्री सफर करते हैं। ट्रेन के लगातार विलंबित होने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में कई घंटे अतिरिक्त लग रहे हैं। विशेषकर राजधानी रायपुर सहित आगे की यात्रा करने वाले यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है।

निर्धारित समय पर ट्रेन नहीं मिलने के कारण सुबह की आगे की कनेक्टिविटी प्रभावित हो रही है और यात्री दोपहर तक रायपुर पहुंचने को मजबूर हो रहे हैं। अम्बिकापुर दुर्ग एक्सप्रेस की लगातार लेटलतीफी पर रेलवे प्रबंधन कब जवाब देगा और यात्रियों को कब राहत मिलेगी, यह समय पर पहुंचना जरूरी है। लेकिन ट्रेन की अनिश्चित समय-सारणी ने इन सभी यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। का परिचालन प्रभावित हो रहा है। हालांकि, इस संबंध में रेलवे की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। यात्रियों की मांग है कि रेलवे इस मामले में स्थिति स्पष्ट करे और यात्री ट्रेन के निर्धारित समय पर संचालन को प्राथमिकता दे।

व्यापारी-छात्र-मरीज सबसे ज्यादा परेशान

सवाल अब क्षेत्र के हजारों यात्रियों के बीच उठ रहा है।

अधिकांश यात्री यात्रा टालकर लौट रहे घर

ट्रेन की लगातार लेटलतीफी का असर अब यात्रियों के भरोसे पर भी पड़ने लगा है। यात्रियों का कहना है कि समय पर ट्रेन पहुंचने की कोई निश्चितता नहीं रहने के कारण कई यात्री अपनी यात्रा ही टाल रहे हैं और स्टेशन से वापस घर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। व्यापारियों के लिए समय पर बाजार पहुंचना, छात्रों के लिए परीक्षा अथवा कक्षाओं में पहुंचना और मरीजों के लिए अस्पताल तक

रेलवे की चुप्पी पर सवाल

सबसे बड़ी परेशानी यह है कि ट्रेन के विलंब का स्पष्ट कारण यात्रियों को नहीं बताया जा रहा है। यात्रियों का आरोप है कि रेलवे प्रबंधन की ओर से न तो समय पर कोई सूचना दी जाती है और न ही ट्रेन के विलंब को लेकर पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराई जाती है और ना ही रेलवे की वेबसाईट से कोई मैसेज प्राप्त होता है। क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि कोयला परिवहन से जुड़ी मालगाड़ियों की आवाजाही को प्राथमिकता दिए जाने के कारण यात्री ट्रेनों

सुविधाजनक रेल यात्रा बनी परेशानी का कारण

जिस रेल यात्रा को आम लोगों के लिए सस्ती, सुगम और भरोसेमंद परिवहन व्यवस्था माना जाता है, वही अब यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। ट्रेन के लगातार विलंब के कारण यात्रियों को मजबूरी में निजी वाहन और बसों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि रेलवे को माल परिवहन के साथ-साथ यात्री सुविधाओं और समयबद्ध यात्री ट्रेनों के संचालन पर भी गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

डीएवी कनकनगर ने आयोजित की 2 किमी मैराथन दौड़

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। डीएवी सीएमसी नई दिल्ली एवं डीएवी खेलकूद के मार्गदर्शन में डीएवी एमएमपीएस कनकनगर द्वारा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन सामुदायिक भवन प्रतापपुर से प्रारंभ होकर खैरमा चौक तक पहुंची। इसमें कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के करीब 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मी गुप्ता, अक्षय तिवारी, अवधेश पाण्डेय, पंकज गुप्ता एवं पूर्व शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक प्रेमसिंधु मिश्रा उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ दौड़ में भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली एवं अनुशासन का संदेश दिया।

खैरमा चौक में मैराथन के समापन अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों एवं आदर्शों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि अक्षय तिवारी एवं अवधेश पाण्डेय ने विद्यार्थियों को एक आदर्श नागरिक बनने के लिए आवश्यक गुणों एवं जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बच्चों को ईमानदारी, अनुशासन, जिम्मेदारी और समाज के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान प्रतापपुर पुलिस द्वारा विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस ने साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने तथा इंटरनेट एवं सामाजिक माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।

कार्यक्रम में डीएवी एमएमपीएस कनकनगर के प्राचार्य मनीष कुमार दुबे सहित प्रकाश तिर्की, आशीष मंडल, अनिता कुशवाहा, प्रियंका यादव, अर्चना सोनी, सुनेना कुरे, प्रीति, प्रिया साहू, सुषमा मिश्रा, शशि तिवारी, नीतू पटेल, अन्नपूर्णा सांडिल्य, श्रद्धा सिंह, काशिफ रजा एवं उज्वल कश्यप उपस्थित रहे।

डूमरखोरका में नुक्कड़ नाटक: बीमा-पेंशन से लेकर साइबर सुरक्षा तक, ग्रामीणों को मिली अहम जानकारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत आज ग्राम डूमरखोरका में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को वित्तीय एवं सामाजिक विषयों पर जागरूक किया गया। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री मुकुन्द कुमार कर्ण के नेतृत्व में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) एवं वित्तीय साक्षरता केंद्र (सीएफएल) की टीम ने सरल और रोचक प्रस्तुति के जरिए बैंकों से जुड़ी बीमा एवं पेंशन योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताते हुए किसी के साथ ओटीपी, पिन या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करने के प्रति सचेत किया गया। साथ ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक रहने का संदेश दिया गया। स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आजीविका गतिविधियों और बैंक ऋण का लाभ लेकर आय बढ़ाते हुए लखपति दीदी बनने के लिए प्रेरित किया गया।

विकलांग एकता संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने चौथी बार रक्तदान कर बचाई 70 वर्षीय वृद्धा की जान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। किसी के लिए रक्त की एक बूंद महज जरूरत हो सकती है, लेकिन किसी जरूरतमंद मरीज के लिए वही बूंद जिंदगी की सबसे बड़ी उम्मीद बन जाती है। जब एक परिवार अपनी बुजुर्ग मां की जिंदगी बचाने के लिए रक्त की तलाश में परेशान था, तब मानवता के सच्चे सेवक बनकर सुमन्त प्रजापति आगे आए। उन्होंने न जाति देखी, न परिचय पूछा और न ही किसी स्वार्थ की परवाह की। बस एक इंसान की जिंदगी बचाने के संकल्प के साथ मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर पहुंचकर चौथी बार रक्तदान किया। उनका यह सेवाभावी कदम केवल रक्तदान नहीं, बल्कि इंसानियत, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का एक भावुक संदेश बन गया। छत्तीसगढ़ विकलांग एकता संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुमन्त प्रजापति ने ग्राम मसगा निवासी सुखराम कुम्हारिया की 70 वर्षीय माता विफनी बाई के लिए रक्तदान किया। मरीज को रक्त की तत्काल आवश्यकता होने की जानकारी मिलते ही उन्होंने बिना देर किए शासकीय चिकित्सा अंबिकापुर का रुख किया। उनकी इस तत्परता से मरीज को आवश्यक रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिली। संकट की घड़ी में किसी अनजान परिवार के लिए आगे आना ही वह मानवीय भावना है, जो समाज को एक-दूसरे से जोड़ती है। सुमन्त प्रजापति का यह चौथा रक्तदान है। उनका यह प्रयास बताता है कि मानव सेवा के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि बड़े दिल और मजबूत इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। रक्तदान के बाद शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अंबिकापुर के संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक

अस्पताल प्रबंधन ने भी किया सम्मानित

तथा ब्लड सेंटर अधिकारी ने उन्हें प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रेलवानी सहित अन्य अधिकारियों ने भी उनके इस कार्य की सराहना की। सुमन्त प्रजापति ने कहा कि रक्तदान महादान है। स्वस्थ व्यक्तियों को जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। उनके अनुसार, रक्तदान का वास्तविक महत्व तभी है, जब किसी जरूरतमंद की मुश्किल घड़ी में समय पर मदद पहुंच सके।

आज जब समाज में अक्सर लोग अपनी व्यस्तताओं और निजी जिम्मेदारियों में उलझे रहते हैं, ऐसे समय में सुमन्त प्रजापति का यह कदम एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है। उनकी पहल उन लोगों के लिए संदेश है, जो रक्तदान करना चाहते हैं, लेकिन अब तक आगे नहीं आए हैं।

एक तरफ विफनी बाई के परिवार को इस कठिन समय में मदद मिली, तो दूसरी तरफ सुमन्त प्रजापति ने अपने कार्य से यह साबित किया कि मानवता की कोई सीमा नहीं होती। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर राहत और किसी परिवार की आंखों में उम्मीद लौटाना ही सबसे बड़ा सम्मान है।

ग्रामीण को जंगल में ले जाकर 5 हजार लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। घर छोड़ने की बात कहकर मोपेड में ग्रामीण बैठकर ले जाने के दौरान लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी युवक को सीसीटीवी की मदद से

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आदतन आरोपी तक पहुंची ओड़गी पुलिस

ओड़गी पुलिस ने धर दबोचा है। बताया गया है कि ग्राम भवरखोह के जेठू सिंह ने थाना ओड़गी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह 20 अगस्त को ओड़गी लोक सेवा केन्द्र में पैसा निकालने गया था। जहां से रकम निकालने के बाद बस स्टैण्ड ओड़गी में पानी गिरने के कारण रूका था उसी समय एक बिना नंबर के मोपेड में अज्ञात व्यक्ति गांव तक छोड़ देता हूँ बोला जिसके बाद वह उसके साथ बैठकर जाने लगा। उक्त युवक रास्ते में पालदनौली जंगल में ग्रामीण से 5 हजार रूपये

लूटकर भाग गया। रिपोर्ट पर थाना ओड़गी में धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान थाना ओड़गी पुलिस को सूचना मिली कि पंजीबद्ध मामले के आरोपी के हुलिया का व्यक्ति ओड़गी साप्ताहिक बाजार में कुछ लोगों को अपने साथ सहायता करने के नाम से बैठा रहा है जिस पर पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा, पूछताछ पर उसने अपना नाम श्रीराम गुप्ता उर्फ लम्बू उर्फ सुजीत उर्फ करण पिता छोटेलाल निवासी दरीपारा थाना भैयाथान, वर्तमान निवासी ग्राम मनियारी थाना बैढ़न, जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश का होना बताया। सीसीटीवी फुटेज व शिनाख्ती कार्रवाई में इसी के द्वारा लूट की वारदात को अंजाम देना पाया गया। पूछताछ पर भी आरोपी ने लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया जिसे गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी के विरूद्ध मध्यप्रदेश के कई थानों में अपराध दर्ज है साथ ही थाना बसंतपुर में आरोपी का स्थाई वारंटी है जिसकी सूचना संबंधित थानों को दी गई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी ओड़गी अलरिक लकड़ा, प्रधान आरक्षक रामाधीन श्यामले, मनोज वर्मा, आरक्षक निर्मल राजवाड़े व जगदीश सक्रिय रहे।

अपहृत बालिका को महाराष्ट्र के पाडूरंगा से दस्तयाब कर लाया गया वापस, आरोपी गिरफ्तार, ओड़गी पुलिस ने की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नाबालिग के अपहरण मामले में ओड़गी पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए नागपुर महाराष्ट्र के पाडूरंगा से अपहृत बालिका को दस्तयाब कर वापस लाया गया। मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि ओड़गी क्षेत्र अन्तर्गत एक व्यक्ति ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी नाबालिग लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है। रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध धारा 137(2) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल द्वारा अपहृता की गंभीरतापूर्वक पतासाजी कर दस्तयाब कर आरोपी को पकड़ने पुलिस की 2 टीम गठित कर लगाया। मामले की

विवेचना के दौरान पुलिस की पहली टीम कटनी मध्यप्रदेश एवं दूसरी पुलिस टीम पश्चिम चंपारण बिहार के लिए रवाना हुई और वहां अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई किन्तु आरोपी के द्वारा लगातार अपना ठिकाना बदलते रहा। जिसके बाद बिहार पहुंची पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनों की मदद ली और लगातार पीछा करते हुए हैदराबाद बैंगलोर होते हुए नागपुर महाराष्ट्र के पाडूरंगा से अपहरणकर्ता राजू कुमार उम्र 24 वर्ष पश्चिम चम्पारण बिहार के कब्जे से अपहृत नाबालिक बालिका को दस्तयाब कर वापस लाया गया। सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश करने के उपरान्त उसे परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया वहीं मामले के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी ओड़गी राजेन्द्र मण्डावी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ओड़गी अलरिक लकड़ा, एएसआई ज्ञानचंद सिंह, प्रधान आरक्षक उदय सिंह, आरक्षक हेमंत सिंह, अनिल एक्का, सतीश गुप्ता, निर्मल राजवाड़े व महिला आरक्षक सुकन्या सिंह सक्रिय रहे।

आज से अग्रसेन जयंती महोत्सव, सेवा, संस्कृति व उल्लास का होगा संगम

0 खेलकूद, बौद्धिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जुटेगा अग्रवाल समाज 0 होंगी 60 से अधिक प्रतियोगिताएं

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महाराजा अग्रसेन जी की 5150 वीं जयंती को लेकर अग्रवाल समाज में खासा उत्साह है। रविवार से यहां अग्रोहा भवन में अग्रसेन सप्ताह का भव्य शुभारंभ उद्घाटन समारोह के साथ नगर के अग्रजो की उपस्थिति में दोपहर से प्रारम्भ होगा। सप्ताहभर चलने वाले इस महोत्सव में सेवा, संस्कृति, खेल, मनोरंजन, धार्मिक और सामाजिक एकता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

सभा के अध्यक्ष अमृतलाल अग्रवाल, सचिव राजेश महलवाला, जयंती आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, महिला मंडल की अध्यक्ष ममता अग्रवाल व नवयुवक समिति के अध्यक्ष गौरीश जिंदल ने बताया कि श्री अग्रवाल सभा की अगुवाई में अग्रोहा भवन को आयोजन का प्रमुख केंद्र है। महोत्सव के दौरान खेलकूद, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों सहित 60 से अधिक प्रतियोगिताएं और विभिन्न

सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें अग्र कार्निवाल, आनंद मेला, फैशन शो, केबीसी, प्रतिभा सम्मान, विरासत सम्मान समारोह, अग्र ओलंपिक, एपीएल क्रिकेट, खजाने की खोज, अंताक्षरी और म्यूजिकल हाउजी सहित अनेक व आकर्षक कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताएं शामिल हैं। समारोह में जयंती के दिन 18 गोत्रों की शोभायात्रा व अग्रसेन जी की सजीव यात्रा खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। अग्रसेन जयंती के मुख्य दिवस पर समाज की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें अग्रवाल समाज के 18 गोत्रों की सहभागिता रहेगी। धुमाल बैंड, पारंपरिक शैला नृत्य के साथ अग्रसेन चौक में समस्त नगर वासियो के लिए शिव तांडव और आकर्षक झांकियों का आयोजन प्रमुख आकर्षण रहेगा। आयोजन के माध्यम से समाज की परंपरा, संस्कृति और सामाजिक एकजुटता को प्रदर्शित किया जाएगा।

महोत्सव के समापन अवसर पर 10 अक्टूबर को अग्र प्रीतिभोज एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित व पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी उत्साहवर्धन किया जाएगा।

महोत्सव को सफल बनाने के लिए श्री अग्रवाल सभा, अग्रवाल सेवा समिति, अग्रवाल महिला मंडल, अग्रवाल नवयुवक समिति, अग्रोहा युवती संगठन, अग्रवाल महिला सम्मेलन, मायूम संस्कृति शाखा, मारवाड़ी युवा मंच, अग्रवाल सम्मेलन सहित समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं जयंती आयोजन समिति के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजन को लेकर समाज के प्रत्येक वर्ग में उत्साह का माहौल है।

मोबाइल के 1000 रुपए के बकाए पर हत्या

लकड़ी के फट्टे से सिर फोड़कर शव टेकरी में फेंका, आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बगीचा। थाना क्षेत्र के जुरगुम-तुर्रापानी जंगल में मिले अज्ञात शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। सिर्फ 1000 रुपए के मोबाइल के बकाए को लेकर हुए विवाद में युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने आरोपी कृष्णा उर्फ कैलाश यादव (30) निवासी झगरपुर को गिरफ्तार कर लिया है।

1000 रुपए के लिए मार डाला

जांच में पुलिस ने परिजनों, दोस्तों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्य जुटाए। शक की सुई झगरपुर निवासी कृष्णा उर्फ कैलाश यादव पर गई। हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि राजेश दास से मोबाइल के 1000 रुपए बकाया को लेकर उसका लंबे समय से विवाद चल रहा था। 23 सितंबर को दोनों लाल स्विफ्ट कार से जुरगुम रपटा पुलिया की ओर गए थे, जहां फिर पैसों को लेकर झगड़ा हो गया। गुस्से में आरोपी ने वहीं पड़े लकड़ी के फाड़े (फट्टे) से राजेश के सिर पर दो बार वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में शव को उठाकर टेकरी के पीछे फेंक दिया।

जंगल में मिला था क्षत-विक्षत शव

23 सितंबर को ग्राम जुरगुम में रपटा पुलिया के पास टेकरी के पीछे एक अज्ञात पुरुष का शव पड़ा होने की सूचना ग्रामीण मनियारो बाई ने दी थी। सूचना पर युगल किशोर साय ने पुलिस को बताया। मौके पर पहुंची पुलिस को शव के सिर के पीछे गहरी चोट और खून के निशान मिले। चेहरा जंगली जानवरों ने क्षत-विक्षत कर दिया था, जिससे पहचान नहीं हो पा रही थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया, जिसमें मौत हत्यात्मक पाई गई। इसके बाद थाना बगीचा में धारा 103(1) बीएनएस के तहत हत्या का केस दर्ज किया गया। बाद में मृतक की पहचान विमड़ा निवासी राजेश दास के रूप में हुई।

सबूत मिटाने के लिए नदी में फेंके कपड़े-मोबाइल

हत्या के बाद आरोपी ने चालाकी से सबूत मिटाने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार आरोपी ने हत्या में इस्तेमाल लकड़ी का फाड़ा और मृतक का मोबाइल मैनी नदी में फेंक दिया। घटना के समय पहने खून लगे कपड़ों को डोड़की नदी में बहा दिया और अपनी स्विफ्ट कार को धोकर साफ कर दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके घर से कार बरामद कर ली है। मामले में अब साक्ष्य छिपाने की धारा 238 बीएनएस भी जोड़ी गई है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी विक्रांत कुमार सोन, एएसआई नरेश मिंज और बगीचा पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

वीडियो कॉल से शुरू हुआ खौफनाक खेल, निजी फोटो वायरल कर धमकाने वाला आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। सोशल मीडिया एप पर दोस्ती कर युवती के निजी फोटो-वीडियो वायरल करने और धमकाने वाले फरार आरोपी को जशपुर पुलिस ने दिल्ली से दबोचा है। आरोपी की पहचान शोभित उर्फ शोवित कुशवाहा (24), निवासी उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। 19 वर्षीय पीड़िता ने 21 जनवरी 2026 को थाना सिटी कोतवाली में लिखित शिकायत दी थी। बताया कि अप्रैल 2024 में उसकी पहचान 4 फन एप्लिकेशन के जरिए शोभित से हुई। बाद में व्हाट्सएप पर बातचीत होने लगी। आरोप है कि आरोपी ने दबाव बनाकर वीडियो कॉल के दौरान पीड़िता की निजी/अश्लील तस्वीर-वीडियो की स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ली और व्हाट्सएप ग्रुप में प्रसारित कर दिया। बात न करने पर युवती और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 23/2026, धारा 79, 351 बीएनएस और आईटी एक्ट की धारा 67, 67(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया।

फरार था, दिल्ली से पकड़ाया

विवेचना में पुलिस टीम उसके गृह ग्राम यूपी गई, लेकिन आरोपी फरार मिला। मुखबिर और तकनीकी टीम को सक्रिय किया गया। पता चला कि वह दिल्ली में छिपा है। डीआईजी व एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर कोतवाली की विशेष टीम दिल्ली भेजी गई और उसे हिरासत में लेकर जशपुर लाया गया। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल फोन और दो सिम जब्त किए हैं। व्हाट्सएप और गैलरी का गवाहों के समक्ष अवलोकन कर पंचनामा तैयार किया गया। आरोपी ने अपराध स्वीकार किया है। उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मोरध्वज देशमुख, प्रधान आरक्षक विशाल गुप्ता, आरक्षक अविनाश की अहम भूमिका रही।पुलिस ने अपील की है कि निजी तस्वीर/वीडियो के दुरुपयोग, ब्लैकमेलिंग या अश्लील सामग्री प्रसारित होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें, चुप न रहें।

बस पहुंची तो गांव में लौटी उम्मीद, मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से दूरस्थ अंचलों में सफर हुआ आसान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिस गांव में कभी बस नहीं पहुंचती थी, वहां आज बस देखते ही बच्चों के चेहरे खिल उठते हैं। हॉर्न सुनते ही ग्रामीण घरों से बाहर निकल आते हैं। यह सिर्फ बस नहीं, गांव के शहर और विकासखंड से जुड़ने की नई उम्मीद है। पहले जरूरी काम के लिए पैदल चलना पड़ता था या निजी वाहन का सहारा लेना पड़ता था। अब स्कूल के बच्चे समय पर स्कूल पहुंच रहे हैं, अधिकारी-कर्मचारी भी आसानी से कार्यस्थल पहुंच रहे हैं। यह बदलाव मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से संभव हुआ है। जशपुर जैसे पहाड़ी जिले में लगभग 16 बसों का संचालन हो रहा है।

पहाड़ी अंचल की महिलाओं को मिली राहत

बगीचा ब्लॉक के सन्ना की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुनीता निकुंज बताती हैं, "पहले केंद्र तक जाने के लिए लिफ्ट लेनी पड़ती थी या पैदल जाना पड़ता था, पहाड़ी क्षेत्र में बहुत कठिन था। अब यह बस मेरे लिए बहुत बढ़िया साधन बन गई है।"

ग्रामीणों के चेहरे पर मुस्कान

ग्राम मरंगी के दशरथ भगत कहते हैं, "पहले इस सड़क पर बस नहीं चलती थी, पैदल आना-जाना पड़ता था। अब मुख्यमंत्री जी की पहल से बस शुरू हो गई है, आसानी से बगीचा जाते हैं और समय पर लौट भी आते हैं।"यात्री मंगलराम ने कहा, "पहले छिछली और चंपा बाजार पैदल जाते थे, अब बहुत सुविधा हो गई है। हम सब बहुत खुश हैं।" योजना से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और प्रशासनिक कार्यों के लिए मुख्यालय तक पहुंचना आसान हो गया है। दूरस्थ गांवों की दूरी कम हो रही है और मुख्यधारा से जुड़ाव मजबूत हो रहा है।

पुलिस परिवार ने निभाया फर्ज, दिवंगत जवानों के आश्रितों को मिली अनुकंपा नियुक्ति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। पुलिस सिर्फ कानून व्यवस्था ही नहीं, अपने परिवार का भी ख्याल रखती है। इसका उदाहरण जशपुर पुलिस ने पेश किया है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह की संवेदनशील पहल पर दो दिवंगत आरक्षकों के आश्रितों को आरक्षक जीडी के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर विभागीय प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर नियुक्ति पत्र सौंपे गए। एसएसपी ने नव-नियुक्त आरक्षकों को पुलिस परिवार की ओर से हरसंभव सहयोग और मार्गदर्शन का भरोसा दिलाया है।

दो परिवारों के आंसू पोंछे, मिली नई उम्मीद

स्व. आरक्षक जगलाल राम का परिवारः आरक्षक क्रमांक 302 जगलाल राम की भर्ती 25 अक्टूबर 2009 को हुई थी। ड्यूटी के दौरान उनके असामयिक निधन के बाद परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था। परिवार को संबल देने के लिए उनकी पत्नी श्रीमती प्रियंका भगत को आरक्षक जीडी के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है।

स्व. आरक्षक बलपंथ राम का परिवारः आरक्षक क्रमांक 441 बलपंथ राम 4 अप्रैल 2007 को पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे। उनके निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके पुत्र पर आ गई थी। विभाग ने उनके पुत्र टीकेश रवि को आरक्षक जीडी के पद पर नियुक्त किया है।

पुलिस एक परिवार है - एसएसपी

डीआईजी व एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा, "पुलिस विभाग के प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी व उनके परिजन एक परिवार की तरह हैं। किसी सदस्य के असमय निधन से उसके परिवार पर कठिन परिस्थिति आती है, ऐसे में पुलिस परिवार उनके साथ खड़ा है। अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य आश्रित परिवार को आर्थिक और सामाजिक संबल देकर आगे बढ़ने का अवसर देना है।" उन्होंने दोनों नव-आरक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री के जशपुर प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री संगठन कर्मवीर सिंह के प्रथम जशपुर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखा। उनके साथ झारखंड प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय भी जशपुर पहुंचे। गिरांग मोड़ से बालाछापर स्थित सरना रिसोर्ट तक जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। सरना रिसोर्ट में कर्मवीर सिंह ने जिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने वडनगर, गुजरात से बनारस जा रही भाजयुमो की सेवा ज्योति रथ यात्रा के सदस्यों से भी मुलाकात कर संवाद किया और यात्रा के उद्देश्य पर चर्चा की।

जिला मीडिया प्रभारी फैजान सरवर खान ने बताया कि स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश से मंडल तक संगठन की व्यापक उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मंत्री राजेश अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, रामू रोहरा, पूर्व राज्यसभा सांसद राजा रणविजय सिंह जूदेव, गुजरात सह प्रभारी व पत्थलगांव विधायक गोमती साय, जशपुर विधायक रायमुनी भगत, जिलाध्यक्ष भरत सिंह, पूर्व प्रदेश महामंत्री कृष्ण कुमार राय, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष अमित टिकरिहा, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेश नंदे, बलरामपुर जिला प्रभारी ओम प्रकाश सिन्हा, अंबिकापुर जिला सह प्रभारी सुनील गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नपा अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल, उपेंद्र यादव, नपा उपाध्यक्ष युवराज यशप्रताप सिंह जूदेव, भाजयुमो जिलाध्यक्ष विजय आदित्य सिंह जूदेव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विशेष ग्राम सभा में ग्रामीण विकास सहित बाल विवाह एवं नशा मुक्ति पर दिलाई शपथ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सहित गांव के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। 2 अक्टूबर 2026 गांधी जयंती के अवसर पर ग्रामवासियों ने अपने गांव को स्वच्छ रखने की भी शपथ ली।

कुरकुंगा के पंचायत भवन में आयोजित विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों के साथ गांव के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही ग्रामीणों एवं किशोर-किशोरियों को बाल विवाह रोकथाम एवं नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। ग्रामीणों ने अपनी पंचायत को बाल विवाह मुक्त एवं नशा मुक्त पंचायत बनाने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में जशपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पैंकू तथा बगीचा विकासखंड के ग्राम बिमड़ा के पंचायत भवन में भी विशेष ग्राम सभा आयोजित की गई। ग्राम सभाओं में ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए गांव के समग्र विकास में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल लाई रंग

गायलुंगा-बछराव मार्ग की मरम्मत शुरू, ग्रामीणों ने जताया आभार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया की पहल से बादलखोल अभ्यारण्य क्षेत्र के गायलुंगा से बछराव मार्ग की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है। गेम रेंज नारायणपुर द्वारा जेसीबी मशीन एवं श्रमिकों की मदद से सड़क को समतल करने, गड्ढों को भरने और आवागमन योग्य बनाने का कार्य किया जा रहा है।

सड़क की स्थिति खराब होने के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर बारिश के मौसम में सड़क पर कीचड़ और बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आवाजाही मुश्किल हो जाती थी। कई स्थानों पर वाहनों के फंसने की स्थिति भी निर्मित हो रही थी। इसका सीधा असर स्कूली बच्चों, शिक्षकों, कर्मचारियों, मरीजों और दैनिक आवागमन करने वाले ग्रामीणों पर पड़ रहा था।

गायलुंगा-बछराव मार्ग आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इसके खराब होने से लोगों को स्कूल, अस्पताल, बाजार और अन्य जरूरी सेवाओं तक पहुंचने में परेशानी होती थी। सड़क की मरम्मत शुरू होने के बाद अब ग्रामीणों को आवागमन की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

मरम्मत कार्य के तहत सड़क को जेसीबी मशीन की सहायता से समतल किया जा रहा है तथा आवश्यक स्थानों पर श्रमिकों के माध्यम से सुधार कार्य किया जा रहा है। विभाग द्वारा सड़क को सुगम बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है, जिससे बारिश के दौरान भी लोगों को आवागमन में अपेक्षाकृत सुविधा मिल सके। सड़क मरम्मत कार्य शुरू होने पर स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया के प्रति आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से सड़क की खराब स्थिति के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब मरम्मत कार्य शुरू होने से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

छात्रावास में अधीक्षक नदारद, 11 नाबालिगों पर मोबाइल चोरी का आरोप, व्यवस्था पर उठे सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। शनि मंदिर के सामने लक्ष्मी मोबाइल दुकान में लाखों की चोरी के मामले में आदिवासी छात्रावास के 11 नाबालिगों का नाम सामने आने के बाद छात्रावास की निगरानी व्यवस्था कठघरे में है। आरोप है कि नाबालिगों ने आधी रात को छात्रावास से निकलकर दुकान का ताला आरी से काटा, मोबाइल पार किए और पास के मैदान में बंटवारा किया। कुछ दिन बाद दूसरी दुकान में भी ताला तोड़ने की कोशिश हुई।

10 सितंबर की रात की वारदात, सीसीटीवी से खुला राज

जानकारी के मुताबिक 10 सितंबर की रात 12 से 2 बजे के बीच नेशनल हाईवे पर स्थित लक्ष्मी मोबाइल दुकान में चोरी हुई। संचालक की शिकायत पर पत्थलगांव पुलिस ने सीसीटीवीखंगाले और तकनीकी ट्रेसिंग से कड़ी छात्रावास तक पहुंची। पुलिस ने चोरी के मोबाइल बरामद किए हैं। मामला बाल विधि के तहत जांच में है।

अधीक्षक रात में छात्रावास में नहीं

छात्रावास के एक कर्मचारी के हवाले से आरोप है कि अधीक्षक रात में छात्रावास में निवास नहीं करते, घर से आना-जाना करते हैं। परिजनों ने पूछा है कि जब अभिभावक बच्चों को भरोसे से छोड़ते हैं तो रात में निगरानी कौन करता था? हालांकि अधीक्षक की भूमिका और लापरवाही पर अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही तय होगा।

विधायक ने की निलंबन की मांग, प्रशासन ने मानी प्रथमदृष्टया गलती

वरिष्ठ कांग्रेस विधायक रामपुकार सिंह ने कहा कि प्रथम दोषी छात्रावास अधीक्षक है, उसे निलंबित किया जाना चाहिए, वे कलेक्टर से चर्चा करेंगे। सहायक आयुक्त संजय सिंह ने छात्रावास का दौरा कर कहा कि प्रथमदृष्टया अधीक्षक की गलती दिख रही है, कलेक्टर से चर्चा कर कार्रवाई होगी। एसडीएम क्षितिज गुरुभेले ने कहा कि मामला संज्ञान में है, उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। परिजनों ने निष्पक्ष जांच, अधीक्षक पर कार्रवाई और बच्चों की काउंसलिंग व सुधारात्मक कदमों की मांग की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित। संपादक - लक्ष्मण सिंह